राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 04 अप्रैल 2022 वर्ष-4,अंक-68 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मुलायम से मिले अखिलेश शिवपाल की सपा से बढ़ रही दुनिया

नई दिल्ली । प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव से बढ़ती दूरियों के बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दिल्ली में अपने पिता मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की। उधर, शिवपाल यादव का ट्वीटर पर पीएम नरेंद्र मोदी को फालो करने से उनके भाजपा में जाने की चर्चाओं को और बल मिल रहा है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह व अखिलेश के साथ सपा विधायक आशु मलिक भी थे। उन्होंने इस मुलाकात की फोटो भी साझा की है। माना जा रहा है कि दोनो के बीच शिवपाल यादव को लेकर भी चर्चा हुई। अखिलेश पिता मुलायम से मागदर्शन लिया है कि कैसे मामला सुलझाया जाए। इस बीच शिवपाल सिंह यादव ने शनिवार को फिर नया सियासी संदेश दिया। उन्होंने ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को फॉलो कर भाजपा से अपनी बढ़ती नजदीकियों का इजहार किया। वह जल्द ही अयोध्या जाकर रामजन्मभूमि का दर्शन करने की तैयारी में भी हैं। शिवपाल यादव की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर पहले ही शुरू हो चुका है। इस बीच माइक्रो ब्लॉलिंग साइट ट्विटर व कू के जरिए भी उन्होंने इन कयासों को हवा दे दी। शिवपाल यादव ट्विटर पर कुल 12 लोगों को फॉलो करते हैं, जबकि फॉलोअर्स की संख्या आठ लाख से ज्यादा है। वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय व प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अलावा सपा मुखिया अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, अपने बेटे आदित्य यादव व बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को फॉलो करते हैं।

संकट से जूझते श्रीलंका में अपने सैनिक नहीं भेज रहा भारत

नई दिल्ली । आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में भारत अपने सैनिकों को नहीं भेज रहा है। इस बात की जानकारी श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने दी है। उच्चायोग ने उन रिपोट्र्स का खंडन किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि भारत, श्रीलंका में सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है। दक्षिण एशियाई मुल्क में सरकार से नाराज जनता सड़कों पर उतर आई है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर श्रीलंका में 36 घंटों का कर्फ्यू लगाया गया है। उच्चायोग ने ट्वीट किया, उच्चायोग मीडिया के एक वर्ग में जारी झूठी और निराधार खबरों का मजबूती से खंडन करता है कि भारत अपने सैनिक श्रीलंका भेज रहा है। उच्चायोग ऐसी गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग की भी निंदा करता है और उम्मीद करता है कि संबंधित अफवाहें फैलाना बंद कर देंगे। कुछ रिपोट्र्स सामने आई थी कि भारत गोटबाया राजपक्षे की अगुवाई वाली सरकार के लिए सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। हालांकि, भारत ने संकट से जूझते श्रीलंका की मदद के लिए 40 हजार मीट्रिक टन डीजल की खेप भेजी है। कोलंबो में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, भारत की तरफ से श्रीलंका को और ईंधन की आपूर्ति की गई। 500 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के जरिए भारतीय सहयोग के जरिए 40 हजार एमटी डीजल की खेप उच्चायोग की तरफ से माननीय ऊर्जा मंत्री गामिनी लोकुगे को सौंपी गई आगे जानकारी दी गई,।

भारत-नेपाल

भारत-नेपाल ने चीन को दिया बड़ा झटका मोदी-देउबा की मुलाकात से पुराने रिश्तों में नई गर्माहट

नई दिल्ली ।

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट दूर हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच शनिवार को हुई बैठक पुराने संबंधों में नई गर्मजोशी लाएगी। जिस प्रकार से दोनों देशों के बीच कई नई शुरूआत हुई है, उसने नेपाल पर चीन की पकड़ और कमजोर होगी तथा भारत-नेपाल रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। नेपाल में पिछली कम्युनिस्ट सरकार के दौरान रिश्तों में तल्खी की वजह नेपाल का सीमा पर कुछ स्थानों जैसे लिपुलेख, कालापानी आदि को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर दावा करना और उनके नक्शे जारी करना था। तब इसके पीछे यही समझा गया कि कम्युनिस्ट सरकार चीन के इशारे पर खेल रही है क्योंकि जिस प्रकार से मुद्दों का राजनीतिकरण किया गया वह बेहद चौंकाने वाला था। लेकिन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा है तथा इससे जुड़े विवादों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। नेपाल के प्रधानमंत्री भी इससे सहमत दिखे हैं। वह भी बातचीत के जरिये मामलों के समाधान को लेकर राजी हुए हैं। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में नेपाल के रुख में पहले से ही बदलाव साफ दिख रहा है। लेकिन असल दिक्कत यह है कि देउबा सरकार भी कई कम्युनिस्ट गुटों के समर्थन पर टिकी है, इसलिए एकदम से यह मुद्दा किनारे हो जाएगा, ऐसा तो नहीं लगता। लेकिन फिर भी उम्मीद है कि तय मैकेनिज्म के जरिये इसे आने वाले दिनों में सुलझाया जाएगा। यह भी तय है कि अब यह मुद्दा पहले जैसा राजनीतिक रुख अख्तियार नहीं करेगा। जिस प्रकार ओली सराकर ने इस मुद्दे को हवा दी उसके बाद ही भारत और नेपाल की अधिसंख्य जनता को इसके बारे में पता चला। बैठक के दौरान भारत ने उन्हें यह भी समझाया कि जिस प्रकार भारत-बांग्लादेश के बीच तमाम सीमा विवाद सुलझा लिये गये हैं ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोवैक्सीन की अंतरारष्ट्रीय सप्लाई पर रोक लगा दी

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोवैक्सीन की अंतरारष्ट्रीय सप्लाई पर रोक लगा दी है। यहां वहां वैक्सीन की खेप है, जो कोवैक्स सुविधा के जरिए गरीब देशों को मिलती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस यानी अच्छी उत्पादन कार्यप्रणाली में कमी के चलते ये फैसला लिया गया है। कोवैक्सीन भारत की पहली स्वदेशी कोरोना वैक्सीन है। बता दें कि वैक्सीन को बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने एक दिन पहले ही ऐलान किया था कि वहां वैक्सीन के प्रोडक्शन को कम करने जा रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने ऐलान को लेकर 2 अप्रैल को बयान जारी किया। इसके मुताबिक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वैक्सीन लेने वाले देश कोवैक्सीन के खिलाफ उचित कार्रवाई कर सकते हैं। कोवैक्सीन को सस्पेंड करने का ऐलान ईयूएल इंस्पेक्शन के बाद आया है। डब्ल्यूएचओ की टीम ने 14 मार्च से 22 मार्च 2022 तक भारत बायोटेक के प्लांट का निरीक्षण किया था। पिछले साल 3 नवंबर को डब्ल्यूएचओ ने कोवैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से साफ-साफ नहीं कहा गया है कि वैक्सीन में जीएमपी की क्या कमी है। डब्ल्यूएचओ ने कहा, भारत बायोटेक जीएमपी की कमियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) और डब्ल्यूएचओ को प्रस्तुत करने के लिए एक सुधारात्मक और निवारक कार्य योजना विकसित कर रहा है। अंतरिम और एहतियाती उपाय के रूप में, भारत ने निर्यात के लिए कोवैक्सिन के अपने उत्पादन को निलंबित करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत दिया है। राहत की बात ये है कि डब्ल्यूएचओ ने वैक्सीन की सुरक्षा और एफीकेसी पर कोई सवाल नहीं उठाए हैं। भारत बायोटेक ने कहा था कि पिछले एक साल के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने लगातार काम किया।

बीजेपी अहंकारी है आप को मौका दें अहमदाबाद में सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल

अहमदाबाद ।

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी को अहंकारी बताया है। साथ ही उन्होंने गुजरात के लोगों से आम आदमी पार्टी को एक मौका देने की अपील की। इस दौरान केजरवाल के साथ पंजाब के नए सीएम भगवंत मान भी मौजूद रहे। दोनों नेता शनिवार को आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। गुजरात में इस साल के अंत में चुनाव हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, मैं यहां किसी पार्टी की आलोचना करने के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां भाजपा को हराने नहीं आया हूं। मैं कांग्रेस को हराने नहीं आया हूं। मैं गुजरात को जिताने आया हूं। हमें गुजरात और गुजरातियों को विजय बनाना है। हमें गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करना होगा। रोडशो के दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाए कि राज्य में भाजपा 25 सालों से सत्ता में है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 25 सालों के बाद वे अब अहंकारी हैं। वे अब लोगों की बात नहीं सुनते। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, जैसे पंजाब ने दिया है, जैसे दिल्ली ने दिया है। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, अगर आपको हम पसंद नहीं आए, तो अगली बार बदल दीजिए। आम आदमी पार्टी को एक मौका दीजिए, आप सभी दूसरी पार्टियों को भूल जाएंगे। इस दौरान मान ने कहा, दिल्ली और पंजाब का काम सुलझा लिया गया है, अब हम गुजरात के लिए तैयारी कर रहे हैं। शनिवार को आप के दोनों नेता साबरमती आश्रम पहुंचे। यहीं पर महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी रहा करते थे। इसके अलावा दोनों नेता आश्रम स्थित संग्रहालय में भी पहुंचे।

रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे नवाब मलिक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में उन्हें तत्काल रिहा किए जाने का अनुरोध करने वाली अंतरिम याचिका को खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वकील अंकुर चावला द्वारा तैयार की गई याचिका में मलिक ने हाई कोर्ट की खंडपीठ के 15 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) वकील वी डी खन्ना के जरिए दायर की गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मलिक को तत्काल रिहा करने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था कि चूंकि विशेष पीएमएलए अदालत के उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश उनके पक्ष में नहीं है तो इससे यह आदेश गैरकानूनी या गलत नहीं हो जाता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के सहायकों से कथित तौर पर जुड़े एक संपत्ति सौदे को लेकर धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत इस साल 23 फरवरी को मलिक को गिरफ्तार किया था। वह अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं पीएम नरेंद्र मोदी: कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और कई अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं, क्योंकि इसमें वह किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह आरोप भी लगाया कि हाल के दिनों में ईंधन और जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। रणदीप सुरजेवाल ने कहा, इस देश में महंगाई अब इवेंट बन गई है। देश महंगे मोदी-वाद से पस्त और त्रस्त है। भाजपा की चुनावी जीत लूट का लाइसेंस बन गई है। एक अप्रैल से जो महंगाई बढ़ाई गई, उससे जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा, देश के 62 करोड़ अन्नदाताओं पर कर का बोझ डाला गया है। सरकार किसानों से आंदोलन का बदला ले रही है। डीएपी खाद की प्रति बोरी का दाम 150 रुपये बढ़ा दिया गया है। मोदी जी, देश के लोगों को रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का गुड मॉर्निंग गिफ्ट देते हैं। पिछले 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 7.20 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमत में बढ़ोतरी करके करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमाई कर रही है।

इनकम टैक्स विभाग ने जारी किए नए आईटीआर फार्म्स

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने के लिए नए फॉर्म नोटिफाई कर दिए हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने नए आईटीआर फार्म्स1-5 को नोटिफाई कर दिया है। आईटीआर फार्म 1 (सहज) और आईटीआर फार्म 4 (सुगम) सबसे सिंपल फॉर्म हैं। बड़ी संख्या में छोटे एवं मीडियम टैक्सपेयर्स इस फॉर्म के जरिए इनकम टैक्स रिटर्न भरते हैं। अगर किसी व्यक्ति को साल भर में सेलरी, अपने घर और अन्य सोर्स (ब्याज इत्यादि) से 50 लाख रुपए तक की इनकम होती है, तो वह सहज फॉर्म के जरिए इनकम टैक्स रिटर्न भर सकता है। वहीं, बिजनेस और प्रोफेशन से साल भर में 50 लाख रुपए तक की इनकम अर्जित करने वाले इंडिविजुअल, एचयूएफ और कंपनियों को सुगम फॉर्म भरना होता है। अगर किसी व्यक्ति की सालाना सेलरी इनकम 50 लाख रुपए से अधिक है, तो उसे आयकर रिटर्न के लिए आईटीआर फार्म-2 भरना होगा. इसके अलावा अगर वह व्यक्ति एक से अधिक हाउस प्रॉपर्टी से आय हासिल करता है या उसके पास दूसरे देशों से आय का जरिया है या किसी विदेशी संपत्ति के मालिक हैं, तो भी उसे आईटीआर-2 फॉर्म के जरिए इनकम टैक्स रिटर्न भरना होगा. वहीं, अगर आप किसी कंपनी में डायरेक्टर हैं या आप सिर्फ अन-लिस्टेड कंपनियों के शेयर रखते हैं।

कोरोना के बाद नई बीमारी हो गई है हमारे काम को बीजेपी भ्रष्टाचार बताती है कोई इलाज नहीं: उद्धव ठाकरे

मुंबई ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। ठाकरे ने कहा कि उन्हें एक ऐसी बीमारी है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है, जबकि सरकार अपना काम कर रही है। ठाकरे ने कहा, कोविड-19 के बाद कुछ लोगों को एक न बीमारी हो गई जिसका कोई इलाज नहीं है। वे कोई काम नहीं करते और जब हम करते हैं तो वे हमें भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। सीएम ठाकरे ने कहा कि वे दावा करते हैं कि उन्होंने काम किया है। वहीं, मुंबईकरों ने देखा कि कैसे भाजपा ने पर्यावरण की परवाह नहीं की और पेड़ काट दिए। ठाकरे ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के पीछे केंद्र की मंशा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि परियोजना के लाभों के बारे में जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं मेट्रो का क्रेडिट मांगने वालों को क्रेडिट देने को तैयार हूं। लेकिन मेट्रो की तरह बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट है। उन्हें मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जगह चाहिए। आखिर मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन से क्या फायदा होगा? ठाकरे ने कहा, ÷अगर आप श्रेय लेना चाहते हैं, तो कुछ काम करके ले लो। उन्होंने जो काम शुरू किया था वह हमारी ओर से आगे बढ़ाया गया। हमने इसे नहीं रोका। बुलेट ट्रेन चलानी है, तो पहले मुंबई से अहमदाबाद के बजाय, इसे मुंबई से नागपुर तक चलाएं।

कश्मीरी पंडितों का घर वापसी का सकंल्प अगले नवरेह पर जरूर पूरा होगा : भागवत

जम्मू ।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अब संकल्प पूर्ति का समय निकट है। अबकी बार ऐसा कश्मीर बसाना है जो दोबारा उजड़ न सके। सबके बीच मिल-जुलकर बसना है। मोहन भागवत ने सभी को नमस्कार करते हुए आनलाइन माध्यम से संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा संजीवनी शारदा केंद्र के इस नवरेह उत्सव के समापन अवसर पर एकत्रित हुए सभी लोगों को मेरा नमस्कार और इस पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएं। भागवत ने कहा आपके मध्य किसी उत्सव में मैं पहली बार नहीं आया हूं। 2011 में हेरत उत्सव में मैं दिल्ली के कार्यक्रम में उपस्थित हुआ था। हमारा यह आज का नवरेह समारोह यह एक नए पर्व और वर्ष का प्रारंभ होगा और यह संकल्प का भी दिवस है। तीन दिन के इस कार्यक्रम में हम अपने पूर्वजों के व्यक्तित्व का स्मरण करते हैं, प्रेरणा लेते हैं, संकल्प लेते हैं और इसीलिए शौर्य दिवस को आपने इस महोत्सव को उचित नाम दिया है। अब हमें कुछ शौर्य पराक्रम करना पड़ेगा। परिस्थितियों सब प्रकार की जीवन में आती हैं और जाती भी हैं। परिस्थितियों में हमारी कसौटी होती है। हमें अपने धैर्य साहस के माध्यम से ही परिस्थिति को पार कर सकते हैं। हम आज ही अपने ही देश में अपने घर में विस्थापित होने का दंश झेल रहे हैं और यह परिस्थिति तीन-चार दशकों से लगातार चल रही है। परंतु इसके आखिरकार क्या उपाया है। पहला उपाय है कि हमने इस परिस्थिति को पार करके विजय पाने का संकल्प लेना है। जैसे कल आपने संकल्प लिया अगले वर्ष अपने घर में अपने प्रदेश में नवरेह मनाएंगे। यही सबसे बड़ी बात है।

एक समय इजरायल के लोग भी बिखर गए थे। और इस संकल्प को 1800 वर्ष जागृत रखा और फिर संकल्प के आधार पर एक स्वतंत्र और पिछले 30 वर्षों में इजरायल सब बाधाओं को पार करके दुनिया में एक अग्रणी राष्ट्र बना है।

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से करीब 100 कंपनियों ने 3.40 लाख करोड़ की डील रोकी या फिलहाल टाली

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन दोनों देशों को युद्ध का भारी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यूक्रेन पर रूसी सैनिकों के हमले के बाद दुनियाभर की कंपनियों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ा रहा है। हमले के बाद दुनिया की लगभग 100 कंपनियों ने 3.40 लाख करोड़ रुपए (45 बिलियन डॉलर) से अधिक के सौदे या तो रोक दिए हैं या उन्हें टाल दिया गया है। अमेरिकी इक्विटी बाजार में सौदे पहली तिमाही में वैश्विक अस्थिरता से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। लगातार मार्केट में लिस्ट होने वाली बहुत सारी कंपनियों ने अपनी लिस्टिंग रोक दी है। वहीं, जापानी और यूरोपीय ऋण बाजारों को भी देरी का सामना करना पड़ा। समस्या तब ज्यादा बढ़ गई जब इस संघर्ष के कारण फंडिंग मार्केट सिकुड़ गया। निवेशकों की रिस्क लेने की क्षमता को चोट पहुंची है और ग्रोथ पर अनिश्चतता बढ़ गई। ब्याज दरों में बढ़ोतरी और सप्लाई चेन पर अनिश्चितता बढ़ गई है। इन डील के रूकने से बैंकरों को भारी नुकसान हो रहा है। पिछले साल उनको जो फीस के रूप में भारी मुनाफा हुआ, वह इस साल सूखे में बदलता दिख रहा है। फरवरी के अंत से लगभग 50 कंपनियों ने अपनी आईपीओ योजनाओं को स्थगित कर दिया है। इनमें लगभग 30 अमेरिकी लिस्टिंग थीं। इनमें बायोक्सीट्रान इंक, क्राउन इक्विटी होल्डिंग्स इंक और सैगिमेट बायोसाइंसेज इंक जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल थी। टल गए आईपीओ के कुल मूल्य का अनुमान लगाना मुश्किल है, चूंकि अधिकांश लेन-देन के साइज का खुलासा नहीं किया गया था। खुलासा राशि के साथ सबसे प्रमुख देरी एशिया और यूरोप से आई है। इंक, क्राउन इक्विटी होल्डिंग्स इंक और सैगिमेट बायोसाइंसेज इंक जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल थी। टल गए आईपीओ के कुल मूल्य का अनुमान लगाना मुश्किल है, चूंकि अधिकांश लेन-देन के साइज का खुलासा नहीं किया गया था। खुलासा राशि के साथ सबसे प्रमुख देरी एशिया और यूरोप से आई है। ओलम इंटरनेशनल लिमिटेड ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज में अपनी खाद्य इकाई की एक लिस्टिंग को रोक दिया। इसका कारोबार 13 बिलियन पाउंड (17.1 बिलियन डॉलर) होगा। वहीं, चीनी समूह डालियान वांडा ग्रुप कंपनी ने अपने नियोजित हांगकांग आईपीओ को रोक दिया। यह शॉपिंग मॉल इकाई लगभग 3 बिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य बना रही थी। युद्ध के कारण बहुत सारे मर्जर और अधिग्रहण को पूरा नहीं किया गया है। युद्ध के बाद से 5 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के लगभग 10 सौदे रुके हुए हैं। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वर्ष के पहले तीन महीनों में वैश्विक एमएंडए 15त्न गिरकर 1.02 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, जो 2020 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे कम है। माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन का वीडियो गेम प्रकाशक एक्टिविज़न ब्लिज़ार्ड इंक का 69 बिलियन डॉलर का अधिग्रहण कुछ मेगाडील में से एक था। सबसे खराब गिरावट यूरोप में रही, जहां अधिग्रहण में 38त्न की गिरावट आई। यूके के स्पेक्ट्रिस पीएलसी ने मार्च में ऑक्सफ़ोर्ड इंस्ट्रूमेंट्स पीएलसी को एक सौदे में खरीदने के लिए बातचीत समाप्त कर दी। इसका मूल्य 1.8 बिलियन पाउंड होगा। पील हंट लिमिटेड ने कहा कि विलंबित सौदों से उसके निवेश बैंकिंग रेवेल्यू में काफी कमी आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार कभी भी घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता घृणा प्यार से कम होती है. यह एक अटल नियम है। - गौतम बुद्ध

संपादकीय

श्रीलंका में रोष

श्रीलंका में गुस्सा सड़कों पर न केवल मुखर होने लगा है, बल्कि हिंसा पर भी उतारू होने लगा है। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग इस कदर तेज हो गई है कि लोग राष्ट्रपति कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं। प्रदर्शन केवल कोलंबो में ही नहीं, उसके आसपास के उपनगरों में भी हो रहे हैं। गुरुवार को स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि कर्फ्यू लगाना पड़ा। राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को हुई हिंसा के लिए संगठित चरमपंथियों को जिम्मेदार ठहराया है, इसके बाद 54 गिरफ्तारियां हुई हैं। दरअसल, लोग ईंधन, बिजली और दूध की कमी से बहुत परेशान हैं। प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प में आम लोगों के साथ-साथ पुलिस वाले भी घायल हुए हैं। लोगों को राष्ट्रपति भवन के सामने से हटाने के लिए आंसू गैस के गोले व पानी की बौछार भी करनी पड़ी है। लोग राष्ट्रपति से इस कदर नाराज हैं कि उनका एक ही नारा है, गोटाबाया घर जाओ। पुलिस की एक बस को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। सेना व पुलिस ने संयम से काम लिया है, पर आने वाले दिनों हिंसक प्रदर्शन नहीं होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। दिक्कत यह है कि हजारों लोग प्रदर्शन के लिए जुट जा रहे हैं, एक साथ इतने लोगों पर कठोर कार्रवाई करना किसी सरकार या प्रशासन के लिए या श्रीलंका जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए बहुत मुश्किल काम है। लोगों ने ही राष्ट्रपति चुना है और अब ज्यादातर लोग राष्ट्रपति को हटाने के पक्ष में हैं। लोग यह मानते हैं कि वर्तमान राष्ट्रपति ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है, तो इसमें एक हद तक सच्चाई है। गौर करने की बात है कि गोटाबाया राजपक्षे को श्रीलंका में शांति के लिए भी श्रेय दिया जाता है। लिट्टे के साथ श्रीलंका के लगभग 30 साल चले संघर्ष को समापन तक पहुंचाने में गोटाबाया का बड़ा योगदान है। श्रीलंका में उन्हें युद्ध नायक मानने वाले बहुत रहे हैं, लेकिन अब उनकी लोकप्रियता तेजी से छीज रही है। वह श्रीलंका में एक आदर्श नायक की हैसियत गंवाने लगे हैं। उनके कार्यालय के सामने हुआ प्रदर्शन श्रीलंका के लिए अशुभ संकेत है। तेल या ईंधन की घटती आपूर्ति ने इस द्वीप देश को हिलाकर रख दिया है। प्रतिदिन 13 घंटे या उससे भी ज्यादा की बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। देश पर खूब ऋण है और विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो चुका है। भारत ने फरवरी और मार्च में श्रीलंका को 2.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी है। श्रीलंका को और पैसा चाहिए, क्योंकि उसकी कमाई लगभग थम गई है। भारत विभिन्न परियोजनाओं के तहत आर्थिक सुधार के प्रयास में लगा है, लेकिन इसमें समय लगेगा। युद्ध और जरूरत से ज्यादा नीतिगत परिवर्तनों की वजह से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था लगभग चौपट हो गई है। भारत को बड़े पैमाने पर श्रीलंका की मदद के बारे में सोचना चाहिए, क्योंकि भारत श्रीलंका का निकटतम पड़ोसी है। गौर करने की बात है कि श्रीलंका में पैदा संकट का असर तमिलनाडु पर भी पड़ेगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य सरकार द्वारा श्रीलंकाई तमिलों को मानवीय सहायता देने की अनुमति मांगी है। भय है कि बेरोजगारी और कमर तोड़ महंगाई के चलते श्रीलंका से तमिलों का पलायन बढ़ जाएगा, जिससे तमिलनाडु पर सीधे भार बढ़ेगा। श्रीलंका के संकट की अनदेखी परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भारत को नुकसान पहुंचाएगी। श्रीलंका में स्थिति जल्दी संभल जाए और हिंसक स्थिति कहीं पैदा न हो, इसके लिए भारत को हरसंभव कदम उठाने चाहिए।

आज के कार्टुन

योजनाबद्धता

श्रीराम शर्मा आचार्य

यदि किए जाने वाले कामों की योजना पहले से ही बनी रहे, निश्चित रहे कि कौन-सा काम किस समय प्रारंभ करके कब तक खत्म कर देना है, तो कोई दिक्कत ही न रहे। निश्चित समय आते ही काम में लग जाया जाए और प्रयत्नपूर्वक समय तक समाप्त कर दिया जाए, इसका सबसे सरल तथा उचित उपाय है कि दूसरे दिन के सारे कामों की योजना रात में ही बना ली जाए। ऐसा हो तो कोई कारण नहीं कि हर काम अपने क्रम से अपने निर्धारित समय पर शुरू होकर ठीक समय पर समाप्त न हो जाए। बहुत से लोग काम का दिन शुरू होने पर-आज क्या-क्या करना है-यह सोचना प्रारंभ करते हैं। न जाने कितना काम का समय इस सोच-विचार में ही निकल जाता है। बहुत-सा समय पहले ही खराब करने के बाद काम शुरू किए जाएं तो स्वाभाविक है कि आगे चलकर समय की कमी पड़ेगी और काम अधूरे पड़े रहेंगे जो दूसरे दिन के लिए और भी भारी पड़ जाएंगे। बासी काम बासी भोजन से भी अधिक अरुचिकर होता है। इसलिए बुद्धिमानी यही है कि दूसरे दिन किए जाने वाले काम रात को ही निश्चित कर लिए जाएं। दूसरा दिन शुरू होते ही बिना एक क्षण खराब किए उनमें जुट पड़ा जाए। इस प्रकार हर आवश्यक काम समय से पूरा हो जाएगा और बहुत-सा खाली समय शेष बचा रहेगा, जिसका सदुपयोग कर मनुष्य अतिरिक्त लाभ तथा उन्नति का अधिकारी बन सकता है। समय की कमी और काम की अधिकता की शिकायत गलत है। वह अस्त-व्यस्तता का दोष है, जो कभी ऐसा भ्रम पैदा कर देता है। जहां तक फालतू समय का प्रश्न है, उसका अनेक प्रकार से सदुपयोग किया जा सकता है। जैसे कोई भी पढ़ा-लिखा व्यक्ति बच्चों की ट्यूशन कर सकता है। किसी नाइट स्कूल में काम कर सकता है। किसी फर्म अथवा संस्थान में पत्र-व्यवहार का काम ले सकता है। अर्जियां तथा पत्र टाइप कर सकता है। खाते लिख सकता है, हिसाब-किताब लिखने-पढ़ने का काम कर सकता है। ऐसे बीसियों काम हो सकते हैं, जो पढ़ा-लिखा व्यक्ति अपने फालतू समय में आसानी से कर सकता है, और आर्थिक लाभ उठा सकता है। बड़े-बड़े शहरों और विशेष तौर से विदेशों में अपना दैनिक काम करने के बाद अधिकांश लोग जगह-जगह 'पार्ट टाइम' काम किया करते हैं।

कला-संस्कृति : राजस्थान का लोकपर्व है गणगौर

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान का नाम सुनते ही मन अपने आप ही आनंदित हो उठता है। राजस्थान कि कुछ ऐसी ही तस्वीर लोगों के मन में बनी रहती है। जहां एक तरफ राजस्थान के बहादुर योद्धाओं की कहानियों से इतिहास भरा पड़ा है। वहीं यहां के पर्व त्यौहार भी अपने आप में अलग ही महत्व रखतें हैं। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने आप में एक पुरानी विरासत को संजोए हुए हैं। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है।

होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं:-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं:-

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,
बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,
म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं:-

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो,
ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं:-

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं:-

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है- ''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋृतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो अनुचित नहीं होगा। सम्प्रदाय यहां वैचारिक दृष्टि से फले फूले हैं। उन सब में परस्पर सहिष्णुता एवं एक दूसरे के उपास्य देवों के प्रति सहज सम्मान का भाव रहा है। राजस्थानी शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सदा सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी पौराणिक एवं वैदिक देवी देवताओं के मन्दिर हैं। उनके उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। काल प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। हमें आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।

किसी अफसोस के साथ जिंदगी क्या गुजारना

नोअम गेशोनी, पैराओलंपियन

आंखें खुलीं, तो वह बिस्तर पर थे। सब कुछ धुंधला-धुंधला सा दिख रहा था। कमरे की दीवारें, उसमें पसरी रोशनी, उसके परदे, कुछ भी तो जाना-पहचाना नहीं था। नहीं, यह उनका बिस्तर नहीं था। दिमाग पर जब-जब वह जोर डालते, जिस्म के पोर-पोर से उठने वाला असह्य दर्द उन्हें चेतना-शून्य कर देता। कमरे में बीप-बीप की लगातार उठने वाली आवाज ने जल्द ही नोअम गेशोनी को बता दिया कि वह अस्पताल में हैं। उस वक्त उनके मुंह से आवाज भी नहीं निकल पा रही थी और शरीर के लगभग सभी अंग तरह-तरह के तारों से बिंधे हुए थे। आखिर 24 साल के उस नौजवान फौजी के साथ क्या हुआ था?

कई दिनों बाद जब चेतना लौटी, तब घरवालों और दोस्तों ने बताया कि उनका हेलिकॉप्टर एक अन्य हेलिकॉप्टर से टकरा गया था। वह पिछले छह दिनों से बेहोश थे, और उनका सह-पायलट अब इस दुनिया में नहीं है। नोअम की आंखों से आंसू लुढ़क पड़े थे। यह कैसी लाचारी थी, वह अपने दिवंगत साथी के परिजनों को गले भी नहीं लगा सकते! बार-बार उसके कहकहे याद आने लगे थे। मगर नोअम जानते थे कि फौजियों की जिंदगी में ऐसी स्मृतियों का वक्फा लंबा नहीं होता। लेकिन असह्य शारीरिक पीड़ा के बीच अस्पताल में नोअम को अभी काफी दिन गुजारने थे और डॉक्टरों की टीम एक मुफीद वक्त का इंतजार कर रही थी। और वह दिन भी आया, जब नोअम को बताया गया कि उनके दोनों हाथ, बायां कंधा, कूल्हा, बाईं कोहनी, पसली की कई हड्डियां टूट गई हैं, और बायां पैर लकवाग्रस्त हो चुका है। डॉक्टरों को उनके पूरे शरीर में जगह-जगह प्लेटें लगानी पड़ी थीं। अगले कुछ पल सन्नाटे के थे। उन थोड़े पलों में ही होशमंद उम्र के पिछले सारे साल काफी तेजी से घूम गए। केफार साबा शहर के एक सामान्य इजरायली परिवार में पैदा नोअम का बचपन काफी खुशगवार बीता था। बचपन से ही खेल-कूद में सक्रिय रहे नोअम पढ़ाई-लिखाई में भी काफी अच्छे थे और हमेशा अच्छे दर्जे के साथ आगे बढ़ते गए। इसीलिए अपने मनपसंद फ्लाइट स्कूल से अपाची हेलिकॉप्टर पायलट बनकर वह बाहर निकले, और दूसरे लेबनान युद्ध के दौरान जुलाई 2006 में मुल्क की सेवा करते हुए उनका हेलिकॉप्टर 6,000 फीट की ऊंचाई पर टकराकर गिर गया था। उस रात जिंदगी ने एक अजीब मोड़ ले ली थी। नोअम के अगले छह महीने अस्पताल में ही बीते। उन महीनों में कई रातें बिना नींद के बसर हुईं। कुछ सवाल थे, जो उनका पीछा छोड़ ही नहीं रहे थे- अगर यह सब न हुआ होता, तो अभी वह क्या कर रहे होते? आखिर उनके साथ ही यह क्यों हुआ? वह तो बुरे इंसान नहीं थे, फिर उन्हें यह सब क्यों भोगना पड़ रहा है? किसी सवाल का कोई जवाब नहीं मिल पा रहा था और बेचैनी बढ़ती जाती थी। फिर एक दिन दिवंगत सह-पायलट के माता-पिता नोअम से मिलने अस्पताल आए। बेटे को गंवा देने की पीड़ा उनकी आंखों में ठहर सी गई थी, फिर भी वे नोअम को हौसला देने आए थे। उनके जाने के बाद ही नोअम के आत्मालाप के सवाल बदल गए- क्या हुआ होता, अगर उस सीट पर मैं बैठा होता? मेरे माता-पिता को कैसा लगता, यदि उनके बेटे की मौत हुई होती? उस वक्त तक वह सिर्फ नकारात्मक सवालों से जूझते रहे थे, उनके पास जो कुछ बचा हुआ है, उस तरफ तो ध्यान ही नहीं गया था। और उस रात नोअम ने तय किया कि वह नकारात्मक ख्यालों के जरिये खुद को और ज्यादा तकलीफ नहीं देंगे। लेकिन इस नई स्थिति से कैसे निपटें, इसका कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। वह तो चलने-फिरने के भी काबिल नहीं बचे थे। अपने से कुछ खा-पी भी नहीं सकते थे। लेकिन अब अफसोस में जाया करने के लिए उनके पास वक्त नहीं था। 24 की उम्र में नोअम ने एक नन्हे बच्चे की तरह चलने की कोशिश आरंभ की। बायां पैर तो बेजान हो चुका था, वह उससे कुछ नहीं कर सकते थे, इसलिए दाहिने पैर की ऊर्जा पर फोकस करना शुरू किया। यह वाकई काफी तकलीफदेह सफर था। वह बार-बार व्हीलचेयर से गिर पड़ते, हड्डियों का दर्द अक्सर उभर आता, लेकिन आहिस्ता-आहिस्ता नोअम गेशोनी अपनी सीमाओं को शिकस्त देने में कामयाब होने लगे। और ढाई साल के बाद ही वह न सिर्फ अपने पैरों पर खड़े हो सकते थे, बल्कि चलने-फिरने भी लगे। वर्तमान के मोर्चे पर तो नोअम ने फतह हासिल कर ली थी, पर सवाल अब भविष्य का था। वह 'रिहैबिटेशन सेंटर' पहुंचे, जहां उन्हें ऐसे कई सारे लोगों से मिलने, उनके बारे में जानने का मौका मिला, जो गंभीर चोटों व मानसिक यंत्रणा के दौर से निकलकर सहज जिंदगी की तरफ लौट आए थे। कभी न पूरा हो सकने वाले शारीरिक नुकसान के बावजूद उनके भीतर की सकारात्मक ऊर्जा ने नोअम पर जादुई असर डाला- शारीरिक कमियों के बावजूद एक खुशहाल जिंदगी जरूर गुजारी जा सकती है। उन्होंने अपनी रुचि के नए-पुराने कई कामों पर विचार किया और अंततः व्हीलचेयर टेनिस को अपने लिए चुना। शुरू-शुरू में थोड़ी हिचक हुई कि शायद न खेल पाएं, लेकिन फिर दिमाग ने कहा- किसी अफसोस के साथ क्या जीना? नोअम ने कोशिश शुरू कर दी। शुरू-शुरू में वह गिरे, चोटिल भी हुए, लेकिन उस हादसे के छह साल बाद लंदन पैराओलंपिक में वह इजरायल की नुमाइंदगी कर रहे थे। वहां नोअम ने एकल प्रतिस्पर्द्धा में स्वर्ण और युगल प्रतिस्पर्द्धा में कांस्य पदक जीता। अब दुनिया भर से उन्हें व्याख्यानों के लिए बुलावा आता है, नोअम घूम-घूमकर लोगों को प्रेरित करते हैं। इन दिनों वह इजरायल के दिव्यांग बच्चों को टेनिस सिखाने के साथ-साथ गरीब बच्चों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल - 2084

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

सू-दोकू - 2083 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2084

1		■	2	3		4		5	■
	■	6			■		■	7	8
9	10			■	11			■	
■	12		■	13		■	■	14	
15	■	16		■		■	17		■
18		■	■	19	■	20		■	21
	■	22			■	23		24	
■	25		■	26	27	■	■		■
28			29	■	30		■	■	31
■		■	32			■	33		

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन, जया भादुड़ी की 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-2
2. 'तुझे जीवन की डोर से बांध लिया है' गीत वाली फिल्म-3,3
6. 'जाने वाले से मुलाकात ना होने पाई' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'प्रहार' में डिपल कपाड़िया के साथ नायक कौन-2
9. मनोजकुमार, बबीता की फिल्म-4
11. 'ये चांद खिला' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस अभिनीत फिल्म-3
12. आमिर खान, मनीषा कोइराला अभिनीत फिल्म-2
13. सुनील शेट्टी, रंभा अभिनीत फिल्म-2
14. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली फिल्म-2
16. जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
17. फिल्म 'जिद्दी' में रवीना टंडन के साथ नायक कौन था-2
18. बॉबी देओल, काजोल, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
20. एक प्रसिद्ध गायक जिसका असली नाम 'शान्तनु मुखर्जी' है-2
22. शाहरुख खान, माधुरी की फिल्म-3
23. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई' गीत वाली फिल्म-4
25. 'रात अंधेरी दूर सवेरा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका-2
28. 'मैं इक चोर तू मेरी रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-2,2
30. 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
32. अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-3
33. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय अभिनीत फिल्म-3
2. राजेन्द्रकुमार, सायराबानो अभिनीत फिल्म-3
3. 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
4. ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. मेहमूद के ट्रिपल रोल वाली फिल्म 'हमजोली' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
8. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
10. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी काटकर की फिल्म-2
11. शत्रुघ्न सिन्हा, संजयदत्त, शबाना, अनीता राज अभिनीत फिल्म-3
14. फिल्म 'बिच्छू' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-2
15. भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
17. 'आंखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-3
19. सुरेश, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
20. फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन के किरदार का या नाम था-2
21. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
22. विश्वजीत, वहीदा की 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
24. आशुतोष, शरदकपूर, रोहित, नेत्रा की फिल्म-2
25. दिलीप कुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
27. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
29. 'एक मैं और एक तू' गीत वाली फिल्म 'खेल खेल में' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
31. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा कोइराला की 'सपने में कुड़ी वो आंदी है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2083

बं	ध	न	■	व	जू	द	■	स	नी
दि	■	सी	मा	■	ही	श	■	ब	■
नी	ल	म	■	ग	■	र	क्ष	क	■
■	म्हे	■	खु	द्दा	र	■	त्रि	■	अ
स	■	ग	द	र	■	ज	य	श	ज
हे	मा	■	ग	■	सो	मी	■	जा	न
ली	■	क	र्ज	■	■	र	वि	■	बी
■	ज	या	■	म	स्त	■	दा	ग	■
द	■	म	र्या	दा	■	भा	ई	■	जू
स	पू	त	■	री	■	भी	■	डो	ली

फरवरी में 35,592 करोड़ और जनवरी में भारतीय बाजार से निकाले 33,303 करोड़

एफपीआई ने पिछले महीने बाजारों से निकाले 41,000 करोड़

नई दिल्ली ।

केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना तथा रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुई भू-राजनीतिक चिंता के बीच अमेरिका विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार छठे महीने बिकवाली जारी रखते हुए मार्च में भारतीय शेयर बाजारों से 41,000 करोड़ रुपए की निकासी की है। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल तथा मुद्रास्फीति की वजह से निकट भविष्य में भी एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने पिछले महीने शेयर बाजारों से 41,123 करोड़ रुपए की निकासी की है। इससे पहले उन्होंने फरवरी में शेयर बाजारों से 35,592 करोड़ रुपए और जनवरी में 33,303 करोड़ रुपए निकाले थे।विदेशी निवेशक पिछले छह महीनों से शेयरों से निकासी कर रहे हैं। अक्टूबर, 2021 और मार्च, 2022 के बीच उन्होंने भारतीय बाजारों से 1.48 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं।``

बाजार के` विशेषज्ञों ने कहा है ` कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह ब्याज दरों के वातावरण में बदलाव और फेडरल रिजर्व द्वारा प्रोत्साहनों को समाप्त करने का संकेत है। कई और कारण भी हैं जिनकी वजह से एफपीआई भारतीय बाजार से निकासी कर रहे हैं। इनमें भारत का महंगा होना, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, रुपए की कमजोरी और रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारण शामिल हैं। यही वजह है वे सुरक्षित निवेश विकल्प की ओर जा रहे हैं। यदि फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी को टालने का संकेत दिया जाता, तो संभवतः हमें इस स्तर की निकासी देखने को नहीं मिली। इसी तरह के तर्क देते हुए एक अन्य`` विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख, भू-राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

मूंगफली के भाव पूर्वस्तर पर रहे, साल्वेंट रिफाइंड में 10 रुपए प्रति क्विंटल की आई गिरावट

नई दिल्ली।

विदेशी बाजारों में गिरावट और वित्त वर्ष समाप्ति पर वार्षिक लेखाबंदी की वजह से सीमित कारोबार के चलते बीते सप्ताह देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में इनके भाव` गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं साधारण मांग निकलने से सोयाबीन तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ। शनिवार से नवरात्र की शुरुआत के मद्देनजर भी घरेलू के साथ-साथ कारोबारी मांग घटने से यह गिरावट और बढ़ गई। कारोबार के आगे के रुख का पता सोमवार को चलेगा। मूंगफली तेल-तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर रहे। केवल मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव में पिछले सप्ताह के मुकाबले 10 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट आई। विदेशी बाजारों में बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 150 रुपए घटकर 7,475-7,525 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सरसों दादरी तेल 320 रुपए घटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,000 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 45-45 रुपए की हानि के साथ क्रमशः 2,375-2,450 रुपए और 2,425-2,525 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। बाजार के जानकारों का कहना है ` कि मामूली मांग होने की वजह से बीते सप्ताह विदेशों में मंदी के बावजूद सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 75-75 रुपए के लाभ के साथ क्रमशः 7,625-7,675 रुपए और 7,325-7,425 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसके ` विपरीत समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में गिरावट आई।

सोयाबीन दिल्ली, इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 400 रुपए, 250 रुपए और 200 रुपए की हानि के साथ क्रमशः 15,800 रुपए, 15,600 रुपए और 14,400 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

बिजली की मांग व्यस्त समय में 12 प्रतिशत बढ़कर 198.47 गीगावॉट रही

नई दिल्ली ।

बिजली की व्यस्त समय की अधिकतम मांग या एक दिन में सबसे ऊंची आपूर्ति पहली अप्रैल को एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़कर 198.47 गीगावॉट पर पहुंच गई है। इससे पता चलता है कि गर्मियों की शुरुआत तथा राज्यों द्वारा लॉकडाउन अंकुशों में ढील के बाद वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार आया है। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल, 2021 को व्यस्त समय की बिजली की अधिकतम मांग 177.20 गीगावॉट रही थी। आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में पूरे अप्रैल महीने के दौरान बिजली की सबसे अधिक मांग 182.37 गीगावॉट दर्ज की गई थी। अप्रैल, 2020 में यह 132.73 गीगावॉट थी, जो अप्रैल, 2019 के 176.81 गीगावॉट से कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिजली की मांग में भारी उछाल से पता चलता है कि वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों के लिए मांग बढ़ रही है। विशेषकर कोरोनो वायरस संक्रमण को रोकने के लिए राज्यों द्वारा लगाए लॉकडाउन अंकुशों में ढील के बाद से बिजली की मांग में जोरदार उछाल आया है। आर्थिक गतिविधियों में उछाल के अलावा गर्मी की शुरुआत ने भी बिजली की मांग को बढ़ा दिया है। विशेष रूप से देश के उत्तरी हिस्से में लोगों ने भीषण गर्मी के मद्देनजर कूलर और एयर कंडीशनर (एसी) का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। देश में बढ़ते कोरोना के मद्देनजर लगाए गए लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण अप्रैल, 2020 में बिजली की मांग प्रभावित हुई थी। केंद्र सरकार ने 25 मार्च, 2020 को लॉकडाउन लगाया था। अप्रैल, 2021 में महामारी की दूसरी घातक लहर की वजह से देश में फिर लॉकडाउन एक अप्रैल, 2022 को 198.47 गीगावॉट की व्यस्त समय की बिजली मांग अप्रैल, 2019 की 176.81 गीगावॉट की मांग की तुलना में काफी अधिक है।

डीमेट अकाउंट होल्डर्स के लिए राहत! सेबी ने बढ़ाई केवाईसी की डेडलाइन 30 जून तक बढ़ाई

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश या फिर ट्रेड करने वालों के लिए राहत की खबर है। अगर आपने अपना डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट का केवाईसी नहीं कराया है, तब अब आपके पास 30 जून 2022 तक का समय है। दरअसल, मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी (सेबी) ने मौजूदा डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट के केवाईसी करने की डेडलाइन को तीन महीने के लिए बढ़ाकर 30 जून 2022 तक कर दी है। पहले ये डेडलाइन 31 मार्च 2022 थी। सर्कुलर के मुताबिक, बगैर केवाईसी वाले डीमैट अकाउंट को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया था। लेकिन सेबी और एमआईआई के साथ बातचीत के आधार पर डेडलाइन को 30 जून 2022 तक के लिए बढ़ाया गया है।ये वन टाइम एक्सटेंशन है। जो डीमैट अकाउंट होल्डर्स अब तक अपने डीमैट अकाउंट का केवाईसी नहीं करा सके हैं उन्हें केवाईसी कराना होगा। केवाईसी कराने के लिए डीमैट अकाउंट होल्डर्स को 6 अहम जानकारियां शेयर करनी होंगी। इसमें आपका नाम, पैन कार्ड नंबर, पता (एड्रेस), मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और इनकम रेंज शामिल हैं। वहां निवेशक, जो कस्टोडियन सर्विसेज इस्तेमाल कर रहे हैं उनके लिए कस्टोडियन डिटेल्स देना भी जरूरी है। अगर डेडलाइन तक ये सभी जानकारी अपडेट नहीं होती हैं,तब निवेशक का एक्सचेंज ट्रेड अकाउंट भी सस्पेंड होगा। निवेशक डीमैट अकाउंट के केवाईसी अपडेशन के लिए स्टॉक ब्रोकर से संपर्क कर सकते हैं। वे डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से भी केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं। निवेशकों को इस बात की सलाह दी गई है कि वहां डिपॉजिटरी और एक्सचेंज की गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करें।

संक्षिप्त समाचार

पीएनबी का पीपीएस सिस्टम 4 अप्रेल से लागू होगा

मुंबई । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) सोमवार 4 अप्रैल से पॉजिटिव पे सिस्टम (पीपीएस) लागू करने जा रहा है। पीएनबी से ` मिली जानकारी के मुताबिक 4 अप्रैल से चेक भुगतान के लिए वेरिफिकेशन जरूरी हो जाएगा। गौरतलब है` कि इस नियम के बाद अगर सही जानकारी नहीं` मिली तो चेक वापस भी किया जा सकता है। पीएनबी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर इस बारे में ट्वीट किया है। बैंक ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा है` कि 4 अप्रैल से पॉजिटिव पे सिस्टम प्रणाली अनिवार्य होगी। यदि ग्राहक बैंक ब्रांच या डिजिटल चैनल के जरिए 10 लाख रुपए और उससे ऊपर चेक जारी करते हैं तो पीपीएस कंफर्मेशन अनिवार्य होगा। ग्राहकों को अकाउंट नंबर, चेक नंबर, चेक अल्फा, चेक डेट, चेक अमाउंट और लाभार्थी का नाम देना पड़ेगा। अधिक जानकारी के लिए पीएनबी के ग्राहक इस नंबर 1800-103-2222 या 1800-180-2222 पर कॉल कर सकते हैं या फिर बैंक की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। गौरतलब है कि पॉजिटिव पे सिस्टम एक प्रकार से फ्रॉड को पकड़ने वाला टूल है। इस सिस्टम के तहत कोई भी जब चेक जारी करेगा तो उसे अपने बैंक को पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें चेक जारी करने वाले को एसएमएस, इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम या मोबाइल बैंकिंग के जरिए इलेक्ट्रॉनिकली चेक की डेट, बेनेफिशियरी का नाम, अकाउंट नंबर, कुल अमाउंट और अन्य जरूरी जानकारी बैंक को देनी होगी। इस सिस्टम से चेक से पेमेंट जहां सुरक्षित होगा, वहीं क्लियरेंस में भी कम समय लगेगा। इसमें जारी किए गए फिजिकल चेक को एक जगह से दूसरी जगह घूमना नहीं पड़ता है। यह काफी आसान और सुरक्षित प्रोसेस है।

गुड़ी पड़वा पर टाटा मोटर्स ने बेची 712 ईवी

नई दिल्ली । घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने गुड़ी पड़वा के अवसर पर महाराष्ट्र और गोवा में 712 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की आपूर्ति की। टाटा मोटर्स ने कहा कि महाराष्ट्र के लोकप्रिय त्योहार के मौके पर उसने 564 नेक्सॉन ईवी और 148 टिगोर कारों की बिक्री की। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विपणन, बिक्री और सेवा रणनीति प्रमुख विवेक श्रीवास्तव ने कहा` कि महाराष्ट्र और गोवा के ग्राहकों को एक ही दिन में 712 इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति करना एक ऐसा अवसर है जिसे लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। इसके अलावा दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने भी गुड़ी पड़वा पर 500 जावा और येज़्दी मोटरसाइकिलों की आपूर्ति की है।

कॉस्मो फिल्म्स औरंगाबाद में 140 करोड़ निवेश करेगी

औरंगाबाद । पैकेजिंग से जुड़े सामान बनाने वाली कॉस्मो फिल्म्स 140 करोड़ रुपए के निवेश के साथ औरंगाबाद में एक सीपीपी फिल्म उत्पादन लाइन स्थापित करेगी। कंपनी ने बताया कि वह आंतरिक स्रोतों और ऋणों के माध्यम से इस उत्पादन लाइन पर 140 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कॉस्मो फिल्म्स ने कहा कि इस विस्तार के लिए उसने वालूज में जमीन भी खरीद ली है। नई उत्पादन लाइन की सालाना क्षमता 25,000 एमटी की होगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पैकेजिंग फिल्मों को दोबारा इस्तेमाल में लाने लायक और टिकाऊ बनाने पर दुनिया भर में जोर दिया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए नई उत्पादन लाइन स्थापित करने का फैसला लिया गया है।

पेट्रोल और डीजल फिर 80 पैसे महंगा

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रविवार को` फिर से प्रति लीटर 80 पैसे बढ़ा दी गईं, जिससे दो सप्ताह से भी कम समय में कीमतों में प्रति लीटर आठ रुपए बढ़ गए हैं। ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राजधानी में पेट्रोल की कीमत अब 103.41 रुपए प्रति लीटर है, जबकि डीजल की कीमत 94.67 रुपए हो गई है। देशभर में ईंधन की दरों में वृद्धि की गई है लेकिन स्थानीय कर प्रावधानों के अनुरूप अलग-अलग राज्यों में यह दर अलग-अलग है। 22 मार्च को साढ़े चार महीने के लंबे अंतराल के बाद दरों में बदलाव किया गया थाचार महीने के लंबे अंतराल के बाद दरों में बदलाव किया गया था, , लेकिन इसके बाद से कीमतों में यह 11वीं वृद्धि है।

एमजी मोटर की कारों की बिक्री में आया उछाल

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया ने साल 2022 के शुरुआती तीन महीनों के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है। साल 2021 की चौथी तिमाही के मुकाबले 69 पर्सेंट की उछाल देखने को मिली है। एमजी मोटर की कारों की बिक्री में उछाल से कंपनी काफी उत्साहित है। बीते साल नई मिडसाइज एसयूवी ऐस्टर लॉन्च करने के साथ ही बीते दिनों नई एमजी जेडएस ईवी फेसलिफ्ट लॉन्च कर कंपनी ग्राहकों के लिए बहुत कुछ नया ला रही है। चलिए, आपको बताते हैं कि एमजी मोटर ने भारत में पिछले महीने कितनी कारें बेचीं और कंपनी की किस कार की सबसे ज्यादा बिक्री होती है। मार्च 2022 की एमजी कार सेल्स रिपोर्ट देखें तो कंपनी ने पिछले महीने कुल 4,721 कारें बेचीं। फरवरी में एमजी ने इंडियन मार्केट में कुल 4528 कारें बेची थीं, जिसका मतलब है कि मार्च में एमजी कार सेल्स में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, मार्च में कंपनी की कार की सालाना बिक्री में कमी देखने को मिली है। मार्च 2021 में एमजी मोटर इंडिया ने कुल 5528 कारें बेची थीं। आपको बता दें कि एमजी मोटर भारत में मिडसाइज एसयूवी एमजी ऐस्टर के साथ ही एमजी हेक्टर और हेक्टर प्लस और फुल साइज एसयूवी सेगमेंट में एमजी ग्लॉस्टर के साथ ही एमजी जेडएस ईवी जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी बेचती है। यहां बताना जरूरी है कि भारत समेत दुनियाभर में सेमीकंडक्टर और चिप शॉर्टेज की कमी देखने को मिल रही है।

जनवरी में 93.22 लाख उपभोक्ताओं ने छोड़ी जियो की सेवा, एयरटेल से जुड़े 7.14 लाख

नई दिल्ली।

वायरलेस टेलीफोन बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो की इस वर्ष जनवरी में 9322583 उपभोक्ताओं ने सेवा छोड़ दी जबकि इस अवधि में मात्र एकमात्र भारती एयरटेल 714199 नए ग्राहकों को जोड़ने में कामयाब रही है। दूरसंचार नियामक ट्राई की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2022 में रिलायंस जियो ने 2.24 प्रतिशत यानी 93 लाख 22 हजार 583 ग्राहक गंवा दिए वहीं इस दौरान भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसने 0.20 प्रतिशत की मासिक वृद्धि के साथ सात लाख 14 हजार 199 नए ग्राहक जोड़ने में सफल रही। जिसने 0.20 प्रतिशत की मासिक वृद्धि के साथ सात लाख 14 हजार 199 नए ग्राहक जोड़ने में सफल रही। हालांकि उसने अपने कुल उपभोक्ताओं की संख्या में टाटा टेलीसर्विसेज के ग्राहकों की संख्या को शामिल किया है। आलोच्य अवधि में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के 0.33 प्रतिशत यानी 377520 ग्राहक, वोडाफोन आइडिया के 0.15 प्रतिशत 389082 ग्राहक, रिलायंस कम्युनिकेशंस के 0.08 प्रतिशत यानी तीन और एमटीएनल के 0.01 प्रतिशत अर्थात 431 उपभोक्तओं ने सेवा छोड़ दी है। इस दौरान रिलायंस जियो की बाजार हिस्सेदारी सबसे अधिक 35.49 प्रतिशत रही। इसके बाद एयरटेल 31.13 प्रतिशत, वोडाफोन आइडिया 23.15 प्रतिशत, बीएसएनएल 9.95 प्रतिशत, एमटीएनएल 0.28 प्रतिशत और रिलायंस कम्युनिकेशंस की बाजार हिस्सेदारी 0.0003 प्रतिशत रही। 31 जनवरी 2022 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.76 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्र के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं बीएसएनएल और एमटीएनएल के पास 10.24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी। इस तरह दिसंबर 2021 तक कुल मोबाइल फोन उपभोक्तओं की संख्या एक अरब 15 करोड़ 46 लाख 20 हजार थी, जो जनवरी 2022 में 0.81 प्रतिशत घटकर एक अरब 14 करोड़ 52 लाख 40 हजार रह गई। इस दौरान वायरलेस दूरसंचार घनत्व 84.17 प्रतिशत से कम होकर 83.43 प्रतिशत पर आ गई। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या एक अरब 17 करोड़ 84 लाख 10 हजार से 0.76 प्रतिशत घटकर एक अरब 16 करोड़ 94 लाख 60 हजार पर आ गई। घटकर एक अरब 16 करोड़ 94 लाख 60 हजार पर आ गई। इस दौरान समग्र देश में दूरसंचार घनत्व 85.91 प्रतिशत से कम होकर 85.19 प्रतिशत रह गया है।

डब्ल्यूएचओ ने कोवैक्सीन का इस्तेमाल सस्पेंड किया, विभिन्न देशों को जारी किया अलर्ट

वैक्सीन निर्माता को टेस्टिंग में पाई गई कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी

मुंबई ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसने भारत बायोटेक द्वारा बनाई गई कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सीन की संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के जरिए सप्लाई को सस्पेंड कर दिया है, इससे वैक्सीन निर्माता को अपनी सुविधाओं को अपग्रेड करने और टेस्टिंग में पाई गई कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वैक्सीन ले रहे देशों से इस संबंध में उचित कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। हालांकि यह तय नहीं किया गया है कि उचित कार्रवाई क्या होगी। वहीं डब्ल्यूएचओ ने कहा कि टीका प्रभावी है और कोई सुरक्षा चिंता नहीं है, हालांकि `निर्यात के लिए उत्पादन को सस्पेंड करने से कोवैक्सिन की सप्लाई बाधित होगी। संस्था ने कहा कि निलंबन का फैसला 14 से 22 मार्च तक डब्ल्यूएचओ पोस्ट इमरजेंसी यूज लिस्टिंग (ईयूएल) निरीक्षण के बाद किया गया है। वहीं वैक्सीन निर्माता ने` निर्याम के लिए कोवैक्सिन के उत्पादन को सस्पेंड करने की अपने कमिटमेंट को पूरा करने के संकेत दिए हैं। वहीं वैक्सीन निर्माता ने` निर्याम के लिए कोवैक्सिन के उत्पादन को सस्पेंड करने की अपने कमिटमेंट को पूरा करने के संकेत दिए हैं। वहीं भारत बायोटेक ने डब्ल्यूएचओ के इस बयान पर कोई प्रे ति क्रिया नहीं दी है। `पिछले` दिनों वैक्सीन निर्माता ने कहा था कि यह कोवैक्सिन के उत्पादन को कम किया गया है, क्योंकि देश में संक्रमण और व्यापक टीकाकरण कवरेज में गिरावट के साथ-साथ अब मांग में कमी आ रही है। हालांकि डब्ल्यूएचओ की टेस्टिंग के दौरान कंपनी ने कहा था कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से टीके के इमरजेंसी इस्तेमाल के मद्देनजर किए गए निरीक्षण के बाद वैक्सीन में मौजूदा हालातों के मद्देनजर सुधार लाने तथा उसे और विकसित करने की प्रोसेस पर रिसर्च जारी है।

इससे यह सुनिश्चित हो जाए कि कोवैक्सीन वर्तमान परिस्थितियों के साथ बदल रही ग्लोबल जरुरतों को पूरा करता रहे।

मार्च में स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुल 5,608 कारें बेचीं

नई दिल्ली । जानी-मानी स्कोडा ऑटो कंपनी ने मार्च 2022 में रेकॉर्डतोड़ कारें बेचीं। जी हां, स्कोडा ऑटो इंडिया ने पिछले महीने, यानी मार्च 2022 में कुल 5,608 कारें बेचीं, जो कि कंपनी के भारत में बीते 20 साल के सफर में किसी महीने में कारों की सबसे ज्यादा बिक्री है। मिडसाइज एसयूवी कुशाक के साथ ही हालिया लॉन्च सेडान स्लाविया की बदौलत स्कोडा की नैया वाकई पार लग गई है। स्कोडा ऑटो इंडिया की मार्च 2022 कार सेल्स रिपोर्ट देखें तो साल 2022 की पहली तिमाही, यानी जनवरी से मार्च के दौरान कंपनी ने कुल 13,120 कारें बेचीं, जिनमें सिर्फ मार्च में 5608 यूनिट है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मार्च 2021 के मुकाबले इस साल मार्च में स्कोडा की कारों की बिक्री में 6 गुणा बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले स्कोडा ने जून 2012 में सबसे ज्यादा 4923 कारें बेची थीं, जो कि मार्च 2022 से पहले तक सबसे ज्यादा थीं, लेकिन पिछले महीने स्कोडा ने तो कमाल ही कर दिया और रेकॉर्डतोड़ नंबर में कारें बेच डालीं। स्कोडा ऑटो इंडिया अपने शानदार प्रदर्शन से काफी खुश है और इसी तरह आगे भी अपना परफॉर्मेंस कंटिन्यू रखना चाहती है। इस साल की शुरुआत में स्कोडा ने लग्जरी एसयूवी कोडिएक लॉन्च की, जो कि शानदार लुक और फीचर्स से लैस है। लग्जरी सेडान सेगमेंट में स्कोडा सुपर्ब और ऑक्टाविया भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। इन सब कारों की बदौलत स्कोडा ने पिछले महीने सबसे ज्यादा कारें बेचने का रेकॉर्ड बनाया। स्कोडा आने वाले समय में अलग-अलग सेगमेंट में और भी शानदार कारें लॉन्च करने वाली हैं। मार्च 2022 भारत में बहुत सी कार कंपनियों के लिए काफी अच्छा रहा, जहां इन कंपनियों ने अच्छी-खासी कारें बेचीं।

पारा चढ़ने के साथ ही एसी उद्योग की बांछें खिलीं, बिक्री में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली।

एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियों को उम्मीद है कि पारा चढ़ने के साथ ही मांग बढ़ने से इस वर्ष उनकी बिक्री में दहाई अंक यानी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। हालांकि, उनका कहना है कि घरेलू एयर कंडीशनर के दाम करीब पांच फीसदी बढ़ सकते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल में कहा था कि इस वर्ष अप्रैल और मई माह में तापमान 'सामान्य से अधिक रह सकता है। इससे उत्साहित एसी विनिर्माताओं वोल्टास, हिताची, एलजी, पैनासॉनिक और गोदरेज अप्लायंसेज का मानना है कि इस बार मांग बढ़ेगी। इससे पहले दो साल कोविड-19 के कारण बाजार में व्यवधान उत्पन्न हो गया था। कुछ कंपनियों का कहना है कि इस मौसम में एसी की अधिक मांग होने के कारण एसी और ठंडक प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की कमी हो सकती है। कलपुर्जों, धातुओं विशेषकर तांबा और एल्युमिनियम की बढ़ती कीमतें और कच्चे तेल के बढ़ते दाम के असर को कम करने के लिए उद्योग ने पिछली तिमाही में मूल्यवृद्धि की थी। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रदीप बक्शी ने कहा, 2021-22 के दौरान उद्योग को दामों में दहाई अंकों की बढ़ोतरी का कई बार सामना करना पड़ा। हालांकि, हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि ग्राहक इन गर्मियों में ठंडक प्रदान करने वाले उत्पाद खरीदने से पीछे न हटें। इसलिए हमने कई तरह के ऑफर और ईएमआई विकल्प दिए हैं। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिर्माता संघ (सीईएएमए) ने उम्मीद जताई कि गर्मियों के इस मौसम की साल की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 35 से 40 फीसदी हो सकती है।

मार्च में 26,496 यूनिट्स मारुति सुजुकी ने एक्सपोर्ट किए

नई दिल्ली । पिछले महीने मारुति सुजुकी ने कुल 1,70,395 कारें बेची हैं, जिनमें घरेलू मार्केट में 1,37,658 यूनिट और 6,241 यूनिट ओईएम यूनिट के रूप में हैं। बाद बाकी 26,496 यूनिट्स मारुति सुजुकी ने एक्सपोर्ट किए हैं। वहीं, साल 2021-22 वित्तीय वर्ष में मारुति सुजुकी कारों की बिक्री से जुड़ी रिपोर्ट देखें तो इस अवधि में कुल 1,652,653 कारें बिकी हैं, जिनमें डोमेस्टिक मार्केट में कुल 1,365,370 बिक्री के साथ ही 48,907 यूनिट ओईएम और एक्सपोर्ट 238,376 यूनिट्स हैं।अब डिटेल से मारुति सुजुकी कारों की मार्च 2022 सेल्स रिपोर्ट बताएं तो मार्च में भारत में घरेलू मार्केट में करीब 1.38 लाख कारें बिकीं, जिनमें मिनी कार सेगमेंट में ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी कारों की कुल 15,491 यूनिट है। इसके बाद कॉम्पैक्ट हैचबैक और सेडान सेगमेंट में मारुति बलेनो के साथ ही स्विफ्ट, डिजायर, सिलेरियो, इग्निस, वैगनआर और टूर एस जैसी कारों की कुल 82,314 यूनिट बिकी। इसके मिडसाइज सेडान सेगमेंट में सिआज की कुल 1834 यूनिट बिकी। यूटिलिटी वीइकल सेगमेंट में मारुति सुजुकी की विटारा ब्रेजा, अर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 समेत अन्य कारों की कुल 25 हजार यूनिट मार्च 2022 में बिकी। वैन सेगमेंट में मारुति ईको की कुल 9221 यूनिट बिकी। बता दें कि भारत की नंबर 1 कार कंपनी मारुति सुजुकी ने मार्च 2022 में भी अपना झंडा बुलंद रखा है और अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुए सबसे ज्यादा कारें बेची हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हैली बनी महिला विश्वकप टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

क्राइस्टचर्च। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 170 रनों की रिकार्ड पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलिसा हीली को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करार दिया है। अपनी इस पारी के साथ ही हीली ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान कारेन रोल्टन (2005), इंग्लैंड की क्लेरी टेलर (2009), न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (2013) और इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट (2017) के विशेष क्लब में शामिल हो गयी हैं। हीली ने न्यूजीलैंड में खेले गये इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 509 रन बनाए। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में शतक लगाये और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हीली ने बल्लेबाजी के दौरान 56.55 की औसत से रन बनाए और विकेटकीपर के तौर पर चार कैच पकड़ने के साथ ही चार स्टंप आउट भी किए। हीली को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनने वाले आईसीसी के छह सदस्यीय पैनल में लिसा स्टालेकर, नासिर हुसैन और नताली गेरमानोस जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल थे।

हीली के रिकॉर्ड शतक से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैड को हराकर सातवीं बार जीता आईसीसी महिला विश्व कप

सिवर का नाबाद शतक गया बेकार

क्राइस्टचर्च।

एलीसा हीली के रिकार्ड शतक से ऑस्ट्रेलिया ने यहां हेगले ओवल मैदान पर इंग्लैड को 71 रनों से हराकर सातवीं बार महिला एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए हीली के 170 रनों की सहायता से 357 रनों का बड़ा स्कोर बनाया पर इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड टीम 285 रनों पर ही सिमट गयी। इंग्लैंड की ओर से नताली सिवर ने सबसे ज्यादा नाबाद 148 रन बनाए पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पायीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेस जोनासेन और अलाना किंग ने 3-3 विकेट लिए। हीली इस मैच में खुशकिस्मत रहीं। 41 रन के निजी योग पर इंग्लैंड ने उनका एक कैच छोड़ दिया जो उसकी हार का कारण भी बना। हीली ने अपनी 170 रनों की पारी में 138 गेंदों पर 26 चौके लगाए। पहले बल्लेबाजी के दौरान हीली का उनकी सलामी जोड़ीदार रेचेल हेंस ने 93 गेंदों पर 68 रन और बेथ मूनी ने 47 गेंदों पर 62 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। यह पुरुष और महिला विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का दूसरा बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने विश्व कप 2003 के फाइनल में भारत के खिलाफ दो विकेट पर 359 रन बनाए थे। दोनों टीमें 34 साल बाद आईसीसी विश्व कप के फाइनल में आमने-सामने थीं। इससे पहले दोनों की टक्कर साल 1988 विश्व कप के फाइनल में हुई थी। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम सातवीं बार फाइनल खेलने उतरी थीं जबकि इंग्लैंड की टीम छठी बार फाइनल में पहुची थी। इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 6 बार विश्व कप जीता था जबकि इंग्लैंड ने तीन बार ही यह खिताब जीता था। महिला विश्व कप की बात करें तो दोनों टीमें 82 बार आमने-सामने आईं थीं। इसमें से 56 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बाजी मारी थी , वहीं इंग्लैंड ने 22 एकदिवसीय मैच जीते हैं जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था।

कोच पोंटिंग बोले- इस क्षेत्र में हमें बेहतर होने की जरूरत है

पुणे।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग चाहते हैं कि उनकी टीम पावरप्ले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करें, जिससे उन्हें गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना दूसरा आईपीएल 2022 मैच गंवाना पड़ा। शुभमन गिल (46 रन पर 84 रन) की शानदार पारी और लॉकी फर्ग्यूसन (4/24) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने गुजरात टाइटंस को शनिवार को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में आईपीएल 2022 के मैच में दिल्ली कैपिटल्स पर 14 रन से जीत दिलाई। जीत के लिए 171 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली गुजरात के खिलाफ पावरप्ले में 3 विकेट पर 43 रन पर सिमट गई और आखिरकार हार गई। इसलिए दिल्ली के मुख्य कोच ने दूसरे गेम में अपनी हार के लिए शुरुआती छह ओवरों की ओर इशारा किया। पोंटिंग ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे लगातार दूसरे मैच में पावरप्ले में तीन विकेट गिरे थे और हम आठ गेंद से पहले ही पीछे रह गए। हमारे पास खेल था लेकिन अगर आप पावरप्ले में तीन विकेट खो देते हैं, तो गेम जीतना वाकई मुश्किल है। यह निश्चित रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें बेहतर होने की जरूरत है। दिल्ली गुजरात के खिलाफ ऋषभ पंत और ललित यादव की बदौलत रन चेज करने में सक्षम थे। एक समय में पंत और रोवमैन पॉवेल बीच में ही आउट हो गए थे।

पोंटिंग ने कहा, थोड़ी घबराहट थी। किसी भी स्तर पर पूछने की दर हाथ से नहीं हम 15 रन से नीचे चले गए लेकिन रन रेट वास्तव में कभी भी साढ़े नौ रन प्रति ओवर से ऊपर नहीं गया। हमारे पास पंत एक अच्छी पारी के बीच में थे, पॉवेल अभी बाहर गए थे - अगर वे 2-3 के माध्यम से बल्लेबाजी करने में सक्षम थे अधिक ओवर बचे होते तो हम मैच जीत जाते। पोंटिंग के पास शॉ के लिए कुछ होमवर्क भी है, जो अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

टेबल-टेनिसः पवी परदेशी व श्रृति पिपरकर को खिताबी सफलता

इन्दौर। इन्दौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में नेहरू स्टेडियम में आयोजित सिद्धार्थ सोनी स्मृति प्रथम जिला रैंकिग टेबल टेनिस स्पर्धा में अंडर-17 सबजूनियर बालिका एकल में पवी परदेशी तथा अंडर-19 बालिका एकल में श्रृति पिपरकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी सफलता अर्जित की। वहीं अंडर-19 बालक अंडर-17 के सेमीफायनल में विशेष रस्तोगी ने प्रथम वरियता प्राप्त अंश गोयल को 3-2 से हराकर भारी उलटफेर किया, फायनल में उनका मुकाबला यश दुबे से होगा। नेहरू स्टेडियम में खेले गए फायनल मुकाबलों में अंडर-17 बालिका वर्ग में पवी परदेशी ने बुशरा हाशमी को 3-0 से, अंडर-19 आयु वर्ग में श्रृति पिपरकर ने अनन्या महाजन को 3-1 से शिकस्त दी। इसके पूर्व सेमीफायनल मुकाबलों में अंडर-19 बालिका वर्ग में अनन्या महाजन ने पूर्वांशी कोटिया को 3-1 से, श्रृति पिपरकर ने लक्ष्या बियानी को 3-2 से तथा अंडर-19 बालक एकल में विशेष रस्तोगी ने अंश गोयल को 3-2 से तथा यश दुबे ने चैतन्य करोडे को 3-2 से हराकर फायनल में जगह बनाई। ने अंश गोयल को 3-2 से तथा यश दुबे ने चैतन्य करोडे को 3-2 से हराकर फायनल में जगह बनाई। क्वार्टर फायनल मुकाबलों में अंडर-19 बालक आयु वर्ग अंश गोयल ने लव जैन को 3-0 से, विशेष रस्तोगी ने मानस उकाले को 3-0 से, चैतन्य करोडे ने आराध्य वेद को 3-0 से, यश दुबे ने यश अग्रवाल को 3-0 से, अंडर-17 बालिका एकल में पूर्वांशी कोटिया ने अनवी पालीवाल को 3-0 से, अनन्या बालिका एकल में पूर्वांशी कोटिया ने अनवी पालीवाल को 3-0 से, अनन्या महाजन ने जाकिया सुलतान को 3-1 से, लक्ष्या बियानी ने पवी परदेशी को 3-2 से, श्रृति पिपरकर ने बुशरा हाशमी को 3-1 से, मात दी।

आईपीएल अंक तालिका में रास्थान पहले, केकेआर दूसरे और गुजरात तीसरे नंबर पर पहुंची

मुम्बई।

हार्दिक पंडया की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस आईपीएल के 15वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के साथ ही 4 अंक हो गये हैं। वहीं अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइटराइडर्स के भी 4-4 अंक हैं पर नेट रनरेट के आधार पर राजस्थान की टीम पहले, केकेआर की टीम दूसरे और गुजरात की टीम तीसरे नंबर पर है। संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स का नेट रनरेट 2.100 है जबकि श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता का नेट रनरेट 0.843 है जबकि गुजरात की टीम का 0.495 नेट रनरेट है। वहीं चौथे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है, जिसके 2 मैचों से 2 अंक हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स के 2 मैचों से 2-2 अंक हैं। सुपर जॉयंट्स टीम-0.011 नेट रनरेट के साथ पांचवें। वहीं आरसीबी (-0.048) के औसत के साथ ही छठे जबकि पंजाब किंग्स (-1.183) के औसत के साथ ही सातवें नंबर पर है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस को एक भी जीत नहीं मिली है और इनका औसत -0.528 है जबकि मुंबई-1.029 रनरेट के साथ नौंवे नंबर पर है। सनराइसर्ज हैदराबाद को उसके पहले मैच में हार मिली थी। ऑरेंज कैप : वहीं मुंबई के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन सबसे

ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। ईशान ने 2 मैचों में कुल 135 रन बनाए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर के भी 135 रन ही हैं पर ईशान की बल्लेबाजी औसत और स्ट्राइक रेट बटलर से अधिक होने के कारण वह पहले नंबर पर हैं। ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे नंबर पर केकेआर के आंद्रे रसेल हैं। पर्पल कैप : वहीं पर्पल कैप की दौड़ में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज उमेश यादव शीर्ष पर हैं। उमेश ने इस सत्र में अभी तक शानदार गेंदबाजी की है। उमेश ने आईपीएल के इस सीजन में अभी तक 3 मैच खेले हैं और 8 विकेट अपने नाम किए हैं। वह पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर हैं। इस सूची में दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के लेग स्पिनर युजवेंद चहल हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्वियातेक ने ओसाका को हराकर महिला एकल खिताब जीता

मियामी। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने मियामी ओपन टेनिस जीत लिया है। स्वियातेक ने महिला एकल फाइनल में जापान की नाओमी ओसाका को 6-4, 6-0 से हराया। इस प्रकार उसका विजय अभियान लगातार 17 मैच तक पहुंचा है। स्वियातेक अब सोमवार को जारी होने वाली महिला एकल रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐश बार्टी की जगह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन बार्टी ने पिछ्ले माह ही संन्यास ले लिया था। स्वियातेक ने पहले सेट में ओसाका की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त बनायी तथा 52 मिनट में यह सेट जीत लिया। ओसाका ने पहले सेट में जीत दर्ज की पर दूसरा सेट पूरी तरह से अलग था जिसमें स्वियातेक हावी रही। उन्होंने लगातार नौवें मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की। स्वियातेक का यह इस साल का तीसरा खिताब है।

ऋषभ ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ ने आईपीएल के 15 वें सत्र में अपनी टीम के दूसरे मैच में हारने पर निराश व्यक्त की है। दिल्ली को इस मैच में नई टीम गुजरात टाइटंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। गुजरात ने यहां पहले खेलते हुए 171 रन बनाए थे पर दिल्ली की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 157 रन ही बना पाई। दिल्ली के कप्तान ऋषभ ने कहा कि बीच के ओवरों में गुजरात टीम ने अच्छी बल्लेबाजी की। साथ ही कहा कि विकेट के हिसाब से हमें अधिक बड़ा लक्ष्य नहीं मिला था पर हमारे बल्लेबाज अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। विशेष रूप से बीच के ओवरों में हमारी बल्लेबाजी खराब रही। हमने पावरप्ले में ही हमने तीन विकेट खो दिये थे जिससे टीम पर दबाव आ गया। कप्तान ने कहा कि लगातार विकेट खोने के बाद वापसी कठिन हो जाती है। अब हम अगले मैच से मौसम की स्थिति के आधार पर पहले बल्लेबाजी करने या गेंदबाजी करने का फैसला करेंगे। हम अभी इसके बारे में नहीं सोच रहे हैं और देखेंगे कि हम पुणे कब वापस आएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने हार के बाद भी टीम का हौंसला बढ़ाया है।

मियामी फाइनल : ओसाका को हराकर नंबर एक रैंकिंग पर पहुंची स्वियातेक

मियामी। इगा स्वियातेक ने वर्ष 2022 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मियामी ओपन के फाइनल में नाओमी ओसाका को 6-4, 6-0 से हराकर महिला वर्ग का खिताब जीता और अपने विजय अभियान को 17 मैच तक पहुंचाया। स्वियातेक सोमवार को जारी होने वाली महिला रैंकिंग में ऐश बार्टी की जगह शीर्ष पर काबिज हो जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन बार्टी ने पिछ्ले महीने संन्यास ले लिया था। पोलैंड की स्वियातेक ने पहले सेट में ओसाका की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त बनायी तथा 52 मिनट में यह सेट अपने नाम किया।

आरोन फिंच ने अपनी खराब फॉर्म को लेकर दिया बयान, वापसी की जताई पूरी उम्मीद

लाहौर।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने माना है कि उनका हालिया फॉर्म निराशाजनक है, लेकिन 35 की उम्र के बावजूद वह वापसी कर सकते हैं। शनिवार को लाहौर में फिंच लगातार दूसरी पारी में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे और ऐसा उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार हुआ है। उनके आउट होने से कुछ घंटों बाद ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा और जाहिर सी बात थी कि कप्तान के निजी फॉर्म पर सवाल उठाए गए। फिंच ने 2022 में अपनी पिछली आठ अंतरराष्ट्रीय पारियों में केवल 101 रन बनाए हैं। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने श्रीलंका के विरुद्ध सीरीज और यहां पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। उम्र के साथ आप अपने काबिलियत पर भी शक करने लगते हैं। मुझे लगता है इस दौरान मेरा अभ्यास बड़ा ही सकारात्मक रहा है। बस मैच में शुरुआती गेंदों में मेरे पैड बीच में आ रहे हैं। ऐसा मेरे करियर में अक्सर हुआ है और मुझे उम्मीद है श्रीलंका में अगले सीरीज़ से पहले मैं इसमें सुधार ले आऊंगा। फिंच के लिए चिंता का विषय है कि इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष क्रम में कई ठोस विकल्प उभर कर आए। ट्रैविस हेड और बेन मैक्डरमाट ने इस सीरीज़ में ख़ासा प्रभावित किया और वहीं डेविड वॉर्नर, स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी इस सीरीज़ में नहीं खेले लेकिन आगे चलकर टीम में अपनी जगह ले सकते हैं। पाकिस्तान के हारिस रउफ ने उन्हें अपनी तीसरी ही गेंद में लेट स्विंग के जरिए पगबाधा आउट किया। इस समस्या ने फिंच को 2019 विश्व कप के पहले भी परेशान किया था जब भुवनेश्वर कुमार उन्हें इस तरीके से आउट करते थे। ऑस्ट्रेलिया को पिछले साल टी20 विश्व कप जिताने वाले कप्तान फिंच ही थे और वह इस वर्ष घरेलू परिस्थितियों में खिताब का बचाव करना चाहते हैं। वह 2023 में भारत में 50-ओवर का विश्व कप भी खेलना चाहते हैं। इस दौरे पर इकलौते टी20 मैच में उन्हें फॉर्म ढूंढने का एक आखिरी मौका मिलेगा। इसके बाद वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में अपने टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के साथ खेलते हुए नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया का अगला दौरा जून में श्रीलंका में होगा, जहां तीन टी20 और पांच वनडे मुक़ाबले होंगे। आखिरी मैच में बड़े अंतर से हारने के बावजूद एक कमजोर ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन से फिंच काफी संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा, हमारे तेज गेंदबाजों ने कई बार बेहतरीन गेंदबाजी की। नेथन एलिस, जेसन बेहरनडॉर्फ, मिचेल स्वेप्सन, शॉन ऐबट और कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ियों के पास विश्व स्तरीय बल्लेबाज़ों के विरुद्ध गेंदबाजी करने का एक बढ़िया अवसर था।

लॉकी फर्ग्यूसन का बड़ा बयान, शुभमन गिल जल्द बड़ा शतक बनाएंगे

स्पोर्ट्स डेस्क। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने 84 रन की शानदार पारी खेली। शुभमन की इस पारी के बाद टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा कि वह जल्द ही शतक लगाने वाले हैं। क्योंकि जिस तरह से उन्होंने पुणे के मैदान में बल्लेबाजी की उससे यह लगता है कि उनके बल्ले से जल्द शतक निकलने वाला है।फर्ग्यूसन ने कहा कि मैं शुभमन के साथ तीन साल से खेल रहा हूं पहले कोलकाता नाइट राईडर्स के लिए और उसके बाद अब गुजरात टाइटंस के लिए। एक खिलाड़ी के रूप में उनकी प्रगति को देखकर बहुत अच्छा लगा। इसमें कोई शक नहीं है कि वह एक शानदार खिलाड़ी है। उसके पास शॉट खेलने के लिए काफी टाइम होता है। फर्ग्यूसन ने आगे कहा कि मैं उसे नेट्स में गेंदबाजी करता हूं और मैं जानता हूं कि उसे शॉट खेलने के लिए बहुत टाइम मिलता है। पर उसे आज बल्लेबाजी करते हुए देखना और टीम को बड़े स्कोर की तरफ लेकर जाना वाकई कमाल का था। मुझे पता है कि वह निराश होगा कि वह शतक नहीं लगा पाया।

भारत ने शूट-आऊट में इंग्लैंड को 3-2 से हराया, तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कलिंगा स्टेडियम में दो मुकाबलों के एफआईएच प्रो लीग टाई के शुरुआती मैच के 3-3 की बराबरी पर छूटने के बाद शूट-आउट में इंग्लैंड को 3-2 हराया। इस जीत से भारतीय टीम ने दो अंक (एक बोनस सहित) हासिल किए जबकि इंग्लैंड की टीम ने एक अंक हासिल किया। मैच के नियमित समय में अभिषेक (14वें मिनट), शमशेर सिंह (27वें मिनट) और हरमनप्रीत सिंह (52वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे, जबकि इंग्लैंड के लिए निकोलस बंदुरक (आठवें, 28वें मिनट) और सैम वार्ड (60वें मिनट) ने गोल किए। वार्ड ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागा। दोनों टीमें एक बार फिर रविवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में आमने-सामने होंगी। इंग्लैंड ने मैच में सकारात्मक शुरुआत करते हुए आठवें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे बंदुरक ने गोल में बदल कर टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बाद भी 14वें मिनट में अभिषेक के गोल से बराबरी करने में सफल रही। उन्होंने शमशेर के पास पर शानदार रिवर्स हिट से टीम को पहली सफलता दिलाई। भारत ने 27वें मिनट में शमशेर के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। लेकिन टीम की यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं रही क्योंकि अगले ही मिनट में बंदुरक ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर स्कोर 2-2 कर दिया। भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहले हाफ में वे एक भी पेनाल्टी कार्नर नहीं हासिल कर सके और इस दौरान इंग्लैंड ने तीन पेनल्टी कार्नर हासिल किए। भारतीय टीम तीसरे क्वार्टर में भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में नाकाम रही। भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने इस दौरान कुछ शानदार बचाव कर इंग्लैंड को बढ़त लेने से रोक दिया। इस दौरान कुछ शानदार बचाव कर इंग्लैंड को बढ़त लेने से रोक दिया। भारत के खेल में चौथे क्वार्टर में पैनापन देखने को मिला और टीम ने आखिरी 8 मिनट के अंदर दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए। इसमें से दूसरे पर हरमनप्रीत के शानदार ड्रैग फ्लिक से टीम की बढ़त 3-2 हो गई। भारतीय रक्षापंक्ति के लचर खेल से इंग्लैंड मैच खत्म होने से 14 सेकेंड पहले पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया और इसे गोल में बदल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। इसके बाद शूटआउट में हालांकि भारतीय टीम इंग्लैंड पर भरी पड़ी। इस जीत से भारत नौ मैचों में 18 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले तीसरे मैच में खेलेंगे वॉर्नर और नॉर्किया

मुम्बई।

दिल्ली कैपिटल्स टीम के प्रमुख बल्लेबाज डेविड वार्नर और तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया सात अप्रैल को मुम्बई में होने वाले तीसरे मैच में खेल सकते हैं। यह मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होगा। दिल्ली टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले मैच में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज वॉर्नर और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज नॉर्किया को अवसर मिलेगा। पोंटिंग ने कहा कि नोर्किया ने अभ्यास मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। वह सौ पफीसदी क्षमता के साथ गेंदबाजी कर सकता है। मुझे लगता है कि यदि उसे दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट से मंजूरी मिलती है, तो उसे खेलना चाहिए। अगले मैच से पहले हमारे पास कुछ और भी दिन हैं, इसलिए उम्मीद करते हैं कि अगले मैच में चयन के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। अगले मैच में चयन के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा मिचेल मार्श भी अपना क्वारंटीन पूरा कर खेलेंगे। नॉर्किया अब फिट हो गये हैं ओर दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। नॉर्किया ने पिछले साल नवंबर से ही नहीं खेला है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श भी घायल होकर पाक दौरे से बाहर हो गए थे पर अब वह भी ठीक हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर अच्छी शुरुआत की थी पर दूसरे मैच में टीम को गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम के लिए यह तीयरा मैच अहम है।

एलिसा हीली की पारी देख इंग्लैंड कप्तान हीथर नाइट प्रभावित, बताया- सबसे अच्छी पारियों में से एक

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली ने महिला विश्वकप के फाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 170 रन की शतकीय पारी खेल दी। उनकी इस पारी के बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार अपने नाम महिला विश्वकप का खिताब जीता। हीली की इस पारी ने विपक्षी टीम के कप्तान इंग्लैंड की हीथर नाइट को भी काफी प्रभावित किया है। हीथर नाइट ने कहा कि आजतक मैंने इससे बढ़िया पारी नहीं देखी। हीथर नाइट ने कहा कि पहले गेंदबाजी करने का फैसला 50-50 था। लेकिन विश्व कप फाइनल में उस तरह का प्रदर्शन लाने का श्रेय ऑस्ट्रेलिया को जाता है। एलिसा हीली की एक उल्लेखनीय पारी थी और वास्तव में देखकर खुश नहीं थी पर यह सबसे अच्छी पारियों में से एक है जिसे मैंने लाइव देखा है। हीथर नाइट ने कहा कि मुझे लगता है कि हम कोई जवाब ढूंढ नहीं पाए। यह एक अद्भुत विकेट था और इस पर लक्ष्य का बचाव करना मुश्किल था। अगर हम उन्हें 300 स्कोर तक रोक पाते तो हम लक्ष्य का पीछा कर सकते थे। क्योंकि फिर हमारे पास अच्छा मौका होता विश्वकप जीतने का। गौर हो कि महिला विश्वकप के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के सामने 357 रन का लक्ष्य रखा। ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली ने 138 गेंदों पर 170 रन की पारी खेली।

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू से ईर्ष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप:स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

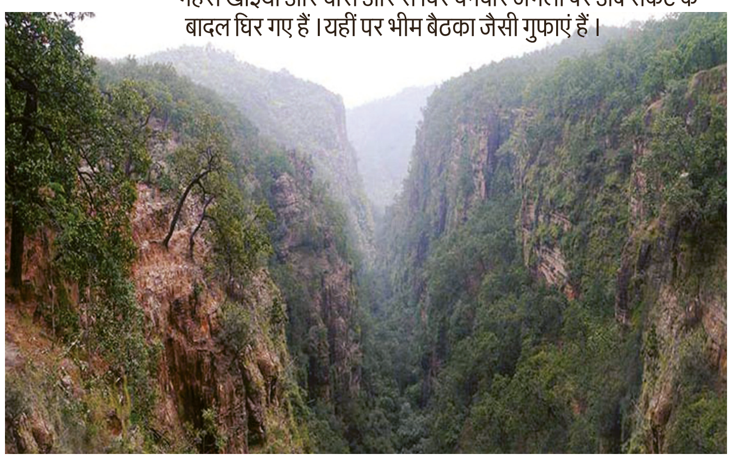

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानः इमरान की सिफारिश मंजूर; राष्ट्रपति ने संसद की भंग, 90 दिन में चुनाव करवाने के आदेश

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली (संसद) को भंग करने की सिफारिश की और नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की । राष्ट्रपति ने इमरान खान की सिफारिश को मंजूर करते हुए संसद को भंग कर दिया और 90 दिनों के भीतर चुनाव करवाने के आदेश दिए हैं। इससे पहले राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति अल्वी को 'असेंबलीज़ को भंग करने की सलाह दी है। उनकी घोषणा से कुछ मिनट पहले ही नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने रविवार को खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को संविधान के अनुच्छेद पांच के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया। विपक्ष की ओर से अध्यक्ष असद कैसर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद सूरी ने संसद के अहम सत्र की अध्यक्षता की। विपक्ष के सदस्य जब सदन पहुंचे तो वे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आश्वस्त दिखाई दिए, लेकिन प्रस्ताव खारिज होने के बाद उन्होंने फैसले का विरोध किया। विपक्ष को खान को सरकार से बाहर करने के लिए 342 में से 172 सदस्यों के समर्थन की ज़रूरत है जबकि उन्होंने दावा किया है कि उनके पास 177 सदस्यों का समर्थन है। खान 2018 में नया पाकिस्तान बनाने के वादे के साथ सत्ता में आए थे और अब अपने राजनीतिक क्योंकि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने बहुमत खो दिया है। उनकी दो सहयोगी पार्टियों ने भी सरकार से समर्थन वापस ले लिया और विपक्ष के खेमे से हाथ मिला लिया है।

पाक में संसद पर विपक्ष का कब्जा, चीफ जस्टिस ने बुलाई सुप्रीम कोर्ट जजों की बैठक, सेना ने कहा-हमारा कोई लेना नहीं

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच इमरान के खिलाफ संसद में अविश्वास प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। प्रस्ताव खारिज होने के बाद इमरान ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि जनता इस फैसले से खुश है। इस बीच इमरान ने राष्ट्रपति से संसद भंग करने की सिफारिश की जिसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्फी ने संसद भंग कर दी और 90 दिन के भीतर चुनाव करवाने के आदेश दिए हैं। दरअसल, अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद पाकिस्तान में सियासी स्थिति बेहद खराब हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने जजों की बैठक बुलाई है जिसमें आज मचे सियासी घमासान पर चर्चा होगी। इधर, संसद में अजीबो-गरीब हालात बन गए हैं। अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद विपक्षी नेताओं ने उग्र रूप धारण कर लिया है। वो संसद में ही डेरा जमाए हुए हैं। करीब 6 हजार सिक्योरिटी पर्सन संसद की सुरक्षा के लिए मौजूद हैं। राष्ट्रपति के ऐलान के बाद विपक्ष भड़क गया और संसद पर कब्जा कर अयाज सादिक को अपना स्पीकर चुन लिया। यही नहीं संसद में विपक्ष ने अपनी कार्रवाई भी शुरू कर दी । विपक्ष की इस हरकत के बाद चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट के जजों बैठक बुलाई है। यही नहीं संसद में विपक्ष ने अपनी कार्रवाई भी शुरू कर दी । विपक्ष की इस हरकत के बाद चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट के जजों बैठक बुलाई है। इस बीच पाकिस्तान के हालात पर सेना का पहला बयान सामने आया है। पाक सेना ने देश में मची राजनीतिक उथल-पुथल से खुद को दूर बताया और कहा कि राजनीतिक प्रक्रिया से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। ने कहा कि आज जो हुआ वह सियासी बवाल था। उधर, शहबाज शरीफ ने इमरान खान पर हमला बोलते हुए कहा कि वो गद्दार हैं और उन्होंने देश को विभाजित करने और गृहयुद्ध की ओर धकेलने का काम किया है। इससे पहले देश को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा कि मेरे खिलाफ विदेशी साजिश हुई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब नए चुनाव की तैयारी करे।

अभिनय से अवकाश लेंगे द मास्क फेम एक्टर जिम कैरी

लॉस एंजिल्स।

हॉलीवुड के लीजेंडरी अभिनेता जिम कैरी ने अपने रिटायरमेंट का ऐलान एक इंटरव्यू में कर दिया है. एक इंटरव्यू में जिम कैरी ने कहा कि वह शायद एक्टिंग से दूरी बनाने वाले हैं. उनका कहना है कि इस बारे में वह सीरियस है. जिम कैरी की इस बात ने दुनियाभर के उनके फैंस को हैरान-परेशान कर दिया है. जिम कैरी ने इंटरव्यू में बातचीत करते हुए कहा मैं रिटायर हो रहा हूं. हां शायद, मैं इस बारे में काफी सीरियस हूं. यह निर्भर करता है कि अगर परियां कोई ऐसी स्क्रिप्ट लेकर आती हैं, जिसे सोने की सियाही से लिखा गया हो और मुझे कहा जाए कि यह लोगों के लिए देखना बेहद जरूरी होगा. तो शायद मैं एक्टिंग की दुनिया में बना रहूंगा, लेकिन अभी मैं ब्रेक ले रहा हूं। उन्होंने कहा मुझे शांत जिंदगी पसंद है. मुझे कैनवास पर पेंट करना पसंद है. मुझे अपनी स्पिरिचुअल लाइफ से प्यार है. और मुझे लगता है यह कुछ ऐसी बात है, जो जब तक समय है आप शायद कभी किसी सेलिब्रिटी को कहते नहीं सुनेंगे मैं काफी हूं. मैंने काफी काम कर लिया है. बस इतना काफी है। जिम ने कहा कि वह दुनिया में बने रहेंगे. वह कहते हैं कुछ भी हो जाए, मैं दुनिया में बना रहूंगा. हमारा असर दुनिया में जितना हम सोचते हैं उससे ज्यादा होता है. हमें जिंदगी दुनिया पर असर डालने के लिए सेलिब्रिटी होने की जरूरत नहीं है। जिम कैरी से पहले डाई हार्ड एक्टर ब्रूस विलिस ने रिटायरमेंट का ऐलान किया था. ब्रूस विलिस के परिवार ने स्टेटमेंट जारी कर बताया था कि वह अफासिया की बीमारी से जूझ रहे हैं. ऐसे में उन्होंने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बनाने का फैसला किया है।

शीर्ष अमेरिकी सांसद ने यूक्रेन पर अमेरिका-रूस के बीच शांति के प्रयासों को लेकर पीएम मोदी की प्रशंसा

वाशिंगटन ।

अमेरिका की एक शीर्ष सांसद ने यूक्रेन पर अमेरिका और रूस के बीच शांति कायम करने के प्रयासों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की है। साथ ही, उम्मीद जतायी कि उनके प्रयास क्षेत्र में शांति बहाल करने में मददगार होंगे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को भारत की यात्रा पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से कहा था कि भारत, यूक्रेन संकट का हल करने के लिए शांति प्रयासों में किसी भी तरीके से योगदान देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने युद्धरत देश में हिंसा पर तत्काल रोक लगाने का आह्वान किया था। अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य कैरोलिन मैलोनी ने कहा मुझे लगता है कि अभी पीएम मोदी यूक्रेन को लेकर रूस और अमेरिका के बीच शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत सकारात्मक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं, हमारे मजबूत शांति संबंध हैं और हमारे एक जैसे मजबूत मूल्य (वैल्यू) हैं, मैं कहना चाहूंगी कि हमारी एक जैसी सरकार है। सदन की शक्तिशाली ओवरसाइट कमेटी की अध्यक्ष मैलोनी अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में सबसे वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्यों में से एक हैं। वह 1993 से अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में निर्वाचित होती रही हैं। मैलोनी कांग्रेस में तथा उसे बाहर भारत और भारतीय अमेरिकियों की मित्र भी हैं। वह दिवाली के त्योहार पर संघीय अवकाश घोषित करने और अमेकिकी संसद का प्रतिष्ठित गोल्ड मेडल महात्मा गांधी को देने के दो विधेयकों को पारित कराने की कोशिशें कर रही हैं। मैलोनी ने विश्वास जताया कि राष्ट्रपति जो बाइडेन उनके दोनों विधेयकों पर आखिरकार हस्ताक्षर कर देंगे। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री उन्होंने कहा एक बात सच है कि अगर आप कोशिश नहीं करते तो आप कभी कामयाब नहीं होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इमरान की राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली भंग करने की सलाह

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली (संसद) को भंग करने की सलाह दी हैं, साथ ही नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति अल्वी को 'असेंबली' को भंग करने की सलाह दी है। उनकी घोषणा से कुछ मिनट पहले ही नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को संविधान के अनुच्छेद पांच के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया। विपक्ष की ओर से अध्यक्ष असद कैसर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद सूरी ने संसद के अहम सत्र की अध्यक्षता की। विपक्ष के सदस्य जब सदन पहुंचे, तब वे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आश्वस्त दिखाई दिए, लेकिन प्रस्ताव खारिज होने के बाद उन्होंने फैसले का विरोध किया। विपक्ष को खान को सरकार से बाहर करने के लिए 342 में से 172 सदस्यों के समर्थन की ज़रूरत है जबकि उन्होंने दावा किया है कि उनके पास 177 सदस्यों का समर्थन है। खान 2018 में नया पाकिस्तान बनाने के वादे के साथ सत्ता में आए थे और अब अपने राजनीतिक करियर के नाज़ुक मोड़ पर हैं, क्योंकि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने बहुमत खो दिया है। उनकी दो सहयोगी पार्टियों ने भी सरकार से समर्थन वापस लेकर विपक्ष से हाथ मिला लिया है।

हॉलीवुड अभिनेता डेनियल क्रेग कोरोना संक्रमित

लॉस एंजिलिस । हॉलीवुड फिल्म 'नो टाईम टू डाई के अभिनेता डेनियल क्रेग ''मैकबेथ के ब्रॉडवे प्रोडक्शन के उन सदस्यों में शामिल हैं, जो कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इसकारण कार्यक्रम को फिलहाल रद्द कर दिया गया है। खबर के मुताबिक, शनिवार को कोरोना जांच रिपोर्ट में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। मैकबेथ ऑन ब्रॉडवे के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर जारी बयान में कहा गया है कि कंपनी में कुछ लोगों की कोविड-19 जांच के नतीजों में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कार्यक्रम रद्द करने का कदम उठाया जा रहा है। प्रोडक्शन ने कार्यक्रम का टिकट खरीदने वाले दर्शकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है। इससे पहले, दोपहर और शाम के कार्यक्रम को दो अप्रैल को रद्द किया गया था।

चीन के शंघाई शहर में तेजी से बढ़ रहे कोविड-19 के मामले

बीजिंग । चीन की सबसे बड़े शहर शंघाई में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं। वहीं, लाखों लोग लॉकडाउन के कारण अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 438 नए मामलों की पुष्टि हुई है। साथ ही, 7,788 ऐसे मामले भी सामने आये हैं जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं थे। यह दोनों ही मामले कल की तुलना में ज्यादा हैं। हालांकि, कई देशों की तुलना में यह संख्या कम है, लेकिन दैनिक मामले चीन में 2019 के अंत में वुहान में मिले मामलों के बाद सबसे ज्यादा हैं। शंघाई में 2.6 करोड़ की आबादी दो चरणों में लॉकडाउन का सामना कर रही है। पूर्वी पुडोंग क्षेत्र के निवासियों को शुक्रवार को घरों से निकलने की इजाजत दी जानी थी, जबकि पश्चिमी पुशी क्षेत्र में शुक्रवार से चार दिन के लिए लॉकडाउन लगा हुआ है। आश्वासन के बावजूद, पुडोंग में लाखों लोग लगातार घरों में बंद हैं। निवासियों से कहा गया है कि वे रोज़ाना कोविड-19 की जांच करें, घर में मास्क लगाने समेत एहतियाती उपाय करें और परिवार के सदस्यों के नजदीक जाने से बचें। सत्तारूढ़ कंप्यूनिस्ट पार्टी की पोलित ब्यूरो की सदस्य सुन चुनलैन ने आग्रह किया है कि शंघाई में जल्द से जल्द कोविड के मामलों पर काबू करने के लिए तेज़ी से कदम उठाए जाएं।

यूक्रेनी सैनिकों ने कई इलाकों पर फिर किया कब्जा, रूसी सैनिकों पर की बमबारी : जेलेंस्की

लवीव । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कीव और चेर्नीहीव के आसपास के इलाकों पर यूक्रेनी सैनिक फिर से कब्जा कर रहे हैं और रूसी सैनिकों को कड़ी टक्कर देने के साथ ही उन पर बमबारी भी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने शनिवार रात देश को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन जानता है कि रूस के पास यूक्रेन के पूर्व और दक्षिण में अधिक दबाव बनाने के लिए सुरक्षाबल हैं। उन्होंने कहा रूसी सैनिकों का लक्ष्य क्या है, वे डोनबास और यूक्रेन के दक्षिण पर कब्जा जमाना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य क्या है? अपनी, अपनी आजादी, अपनी जमीन और अपने लोगों की रक्षा करना। उन्होंने कहा अच्छी खासी संख्या में रूसी सैनिक मारियुपोल के आसपास तैनात है, जहां बचावकर्ता लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा इस विरोध के कारण, इस साहस और हमारे अन्य शहरों की प्रतिरोधक्षमता के कारण यूक्रेन ने अमूल्य समय हासिल किया, जिससे हमें दुश्मन के हथकंडों को नाकाम जेलेंस्की ने एक बार फिर पश्चिमी देशों से मिसाइल रोधी प्रणालियां और विमान जैसे अधिक आधुनिक हथियार देने की अपील की है।

फ्रांस यूक्रेन संकट के नतीजों से निपटने के लिए आर्थिक और राजनीतिक सहायता दें

काहिरा । मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने यूरोपीय संघ की परिषद की अध्यक्षता वाले फ्रांस से आग्रह किया कि यूक्रेन संकट के नतीजों से निपटने के लिए मिस्र को आर्थिक और राजनीतिक सहायता प्रदान करें। इसकी जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय के बयान से सामने आई है। मिस्र के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद हाफिज ने कहा कि शौकरी ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर ने काहिरा की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद बातचीत की, इस दौरान उन्होंने मिस्र के लिए अपने देश के पूर्ण समर्थन और संकट के दौरान मध्य पूर्वी देश को गेहूं की आपूर्ति प्रदान करने की इच्छा की पुष्टि की। मिस्र दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं आयातक है और रूस और यूक्रेन से अपना अधिकांश गेहूं खरीदता है। इससे पहले शनिवार को मिस्र के विदेश मंत्री ने अपने जर्मन समकक्ष एनालेना बारबॉक को फोन किया, जिसके दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और रूस-यूक्रेन संघर्ष के नतीजों के लिए मिस्र को आर्थिक तरीके से मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इमरान को कुर्सी से हटाने में नाकाम विपक्ष पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, स्पेशल बेंच गठित

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में सियासी जंग के बीच रविवार को अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान की सिफारिश पर राष्ट्रपति अल्वी ने संसद भंग कर दी। राष्ट्रपति अब 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के आदेश दिए हैं। आज संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी लेकिन उससे पहले डिप्टी स्पीकर ने विदेशी साजिश का हवाला देते हुए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अब विपक्ष मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित की है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है कि इमरान सरकार ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। जरदारी ने कहा, पूरे पाकिस्तान को पता है कि विपक्ष की संख्या पूरी थी। आज आखिरी मौके पर स्पीकर ने असंवैधानिक काम किया। पाकिस्तान के संविधान को तोड़ने की कोशिश की गई। यूनाइटेड अपोजीशन ने फैसला किया है कि जब तक हमें संवैधानिक अधिकार नहीं मिलता तब तक हम नेशनल असेंबली में धरना देंगे। इसके अलावा हमारे वकील आज ही सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जरदारी ने कहा, इमरान खान ने स्पीकर के खिलाफ भी लोगों को इकट्ठा करके उनका अधिकार छीन लिया है। यह बचकाना हरकत और इमरान खान से भागना, इमरान खान ने अपनी असली पहचान बता दी है। अगर इमरान खान लोकतंत्र के साथ हैं तो सत्ता जाने से क्यों डरते हैं। इमरान खान ने अपने एक भाषण में कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति अलवी को संसद भंग करने की सलाह दी थी। अपने एक भाषण में कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति अलवी को संसद भंग करने की सलाह दी थी। इसके थोड़ी देर बाद ही आर्टिकल 5 के उल्लन का हवाला देते हुए डिप्टी स्पीकर ने अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे पहले विपक्षी दलों ने स्पीकर के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव फाइल कर दिया था।

यूक्रेनी सैनिकों ने कई इलाकों पर फिर से कब्जा किया, रूसी सैनिकों पर बमबारी की

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कीव और चेर्नीहीव के आसपास के इलाकों पर यूक्रेनी सैनिक फिर से कब्जा कर रहे हैं और रूसी सैनिकों को कड़ी टक्कर देने के साथ ही उन पर बमबारी भी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने शनिवार रात देश को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन जानता है कि रूस के पास यूक्रेन के पूर्व और दक्षिण में अधिक दबाव बनाने के लिए सुरक्षाबल हैं। उन्होंने कहा, ''रूसी सैनिकों का लक्ष्य डोनबास और यूक्रेन के दक्षिण पर कब्जा जमाना है। जबकि हमारा लक्ष्य अपनी आजादी, अपनी जमीन और अपने लोगों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि अच्छी खासी संख्या में रूसी सैनिक मारियुपोल के आसपास तैनात है, जहां बचावकर्ता लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इस विरोध के कारण, इस साहस और हमारे अन्य शहरों की प्रतिरोधक्षमता के कारण यूक्रेन ने अमूल्य समय हासिल किया, जिससे हमें दुश्मन के हथकंडों को नाकाम करने और उसकी क्षमताओं को कमजोर करने का मौका मिल रहा है। जेलेंस्की ने एक बार फिर पश्चिमी देशों से मिसाइल रोधी प्रणालियां और विमान जैसे अधिक आधुनिक हथियार देने की अपील की है। यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण रूस में कई जरूरी दवाओं की कमी हो गई है। युद्ध शुरू होने से पहले ही लोग रूस में अपने परिजनों, दोस्तों को सूचित कर रहे थे और सोशल मीडिया पर ऐसे संदेश डाल रहे थे कि प्रतिबंधों की आशंका के कारण जरूरी दवाएं घर में खरीद कर रख लेनी चाहिए। समय बीतने के साथ मास्को और कुछ अन्य शहरों में दुकानों में कई दवाएं तेजी से खत्म होती गईं । रूस में विशेषज्ञों और स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दवाइयों की कमी अस्थायी है लेकिन कुछ विशेषज्ञ चिंतित हैं कि उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं रूसी बाजार से गायब हो जाएंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रतिबंधों से आपूर्तिकर्ताओं में घबराहट और आपूर्ति से जुड़ी कठिनाइयों के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। मास्को में हॉस्पिटल नंबर 29 में हृदय रोग गहन देखभाल इकाई के प्रमुख डॉ. एलेक्सी एरलिक ने कहा, ''(दवा की) किल्लत हो सकती है। हालांकि यह समस्या कितनी गंभीर होगी, यह नहीं पता। युद्ध शुरू होने के बाद मार्च की शुरुआत से ही ऐसी खबरें आने लगीं कि रूस के लोगों को कुछ खास प्रकार की दवा मिलने में कठिनाई आ रही है। रूस के क्षेत्र दागिस्तान मेंवाले समूह 'पेशेंट मॉनिटर को मार्च के दूसरे सप्ताह से इस तरह की किल्लत की शिकायतें मिलने लगी।

पाकिस्तान में विपक्ष को झटका, इमरान के खिलाफ लगाया गया अवशिवास प्रस्ताव खारिज

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इमरान खान सरकार के खिलाफ लाए गए विपक्ष के अवशिवास प्रस्ताव को नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर ने खारिज कर दिया है। इसके लिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 5 का हवाला दिया है। बता दें कि पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद-5 के मुताबिक यदि नेशनल असेंबली में लाए प्रस्ताव की अवधि तय समय से अधिक होती है, तब प्रस्ताव को खारिज करने का विकल्प स्पीकर के पास होता है। हालांकि इस लेकर पहले से ही अलग-अलग राय जाहिर की जा चुकी हैं। स्पीकर के फैसले के बाद इमरान ने इस पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि वहां देश की आवाम का धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा है कि ये अविश्वास प्रस्ताव विदेशी ताकतों की साजिश पर लाया गया था। पाकिस्तान की आवाम को तय करना चाहिए कि देश में कौन हुकूमत करेगा। बता दें कि विपक्ष ने पहले से ही इसकी आशंका जता दी थी, कि इमरान सरकार की तरफ से ऐसा भी किया जा सकता है। 25 मार्च को जब ये प्रस्ताव लाया गया था तब भी इस लेकर विपक्ष ने अपनी आशंका जगजाहिर की थी। डिप्टी स्पीकर के प्रस्ताव को खारिज करने के बाद असेंबली में जबरदस्त हंगामा चल रहा है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इमरान सरकार के पास जहां 144 सदस्यों का समर्थन था, वहीं विपक्ष के पास 199 सीटों का समर्थन हासिल था। यह देखकर वोटिंग होने पर परिणाम पूरी तरह से एकतरफा ही था। नेशनल असेंबली में रविवार को अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होने की उम्मीद थी।

पाकिस्तान में राजनीतिक संकट से जुड़े प्रमुख घटनाक्रम एक नजर में

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की सियासत में आज बड़े ड्रामाटिक ढंग से कई प्रमुख घटनाक्रम घटे। पाकिस्तान में सियासी जंग के बीच रविवार को अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान की सिफारिश पर राष्ट्रपति अल्वी ने संसद भंग कर दी। राष्ट्रपति अब 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के आदेश दिए हैं। आज संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी लेकिन उससे पहले डिप्टी स्पीकर ने विदेशी साजिश का हवाला देते हुए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अब विपक्ष मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित की है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है कि इमरान सरकार ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। -ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के गठन और उनके द्वारा संसद को भंग करने के अचानक उठाए गए कदम से संबंधित प्रमुख घटनाक्रम इस प्रकार हैं।

- 1996: इमरान खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का गठन किया, जिसका अर्थ है न्याय के लिए आंदोलन।
- 2002– इमरान खान चुनाव जीतकर नेशनल असेंबली के सदस्य बने।
- 2013– इमरान खान दोबारा चुनाव जीतकर नेशनल असेंबली पहुंचे।
- 2018– आम चुनाव में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के बाद इमरान खान पहली बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने।
- तीन मार्च, 2021– विपक्ष के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने सीनेट के चुनावों में पाकिस्तान के वित्त मंत्री अब्दुल हफीज शेख को हराया। छह मार्च, 2021– इमरान खान ने अपने वित्त मंत्री की हार के बाद नेशनल असेंबली में विश्वास मत जीता।
- आठ मार्च, 2022– पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर मौजूदा सरकार पर देश में अनियंत्रित होती महंगाई को कम करने में विफल रहने का आरोप लगाया।
- 19 मार्च – इमरान खान की पार्टी ने असंतुष्ट पीटीआई सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।
- 20 मार्च– नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 25 मार्च को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाया।
- 23 मार्च– प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे क्योंकि तीन सहयोगी उनकी सरकार के खिलाफ वोट करने का संकेत दे रहे हैं।
- 25 मार्च– पाकिस्तान की नेशनल असेंबली का सत्र इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किए बिना ही स्थगित कर दिया गया।
- 27 मार्च– एक विशाल रैली में इमरान खान ने अपनी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कथित तौर पर हो रही 'साजिश% के पीछे विदेशी ताकतों के होने का दावा किया।
- 28 मार्च: पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज़ शरीफ ने नेशनल असेंबली में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।
- 30 मार्च– अविश्वास मत से पहले इमरान खान की सरकार के प्रमुख सहयोगी दलों के विपक्ष के साथ चले जाने से उन्होंने बहुमत खो दिया।

आप मीडिया के जरिए केवल माहौल बना रही गुजरात में जमीनी स्तर पर उसका नामोनिशान नहींः अनुराग ठाकुर

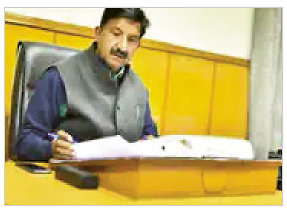

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुजरात में प्रचार कर रहे आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। ठाकुर ने कहा कि आप मीडिया के जरिए केवल माहौल बना रही है, जबकि गुजरात में जमीनी स्तर पर उसका नामोनिशान नहीं है। ठाकुर ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा है, आपने उनकी हालत देखी है। वह उत्तर प्रदेश में एक सीट नहीं जीत सके, क्या आपने उत्तराखंड, गोवा में उनकी हालत देखी? कभी-कभी वे मीडिया के माध्यम से माहौल बनाते हैं, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए ठाकुर ने उन्हें दुनिया का सबसे प्रिय नेता बताया और कहा कि देश में जहां भी चुनाव होते हैं, भाजपा को उनके नाम पर एकतरफा वोट मिलते हैं। उन्होंने कहा कि साल के अंत में बीजेपी फिर से हिमाचल प्रदेश और गुजरात में भी आएगी। हाल ही में संपन्न पंजाब विधानसभा चुनावों में भाजपा की भारी हार के बारे में भी ठाकुर से पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में 2027 के विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा, हमने पंजाब में प्रचार बहुत देर से शुरू किया, लेकिन हमारी सीटें कम नहीं हुईं, हमारा वोट शेयर भी बढ़ा है। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव में हम राज्य में सत्ता में आएंगे। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने शनिवार को अहदाबाद में रोड शो के दौरान गुजरात के लोगों से आप को राज्य में शासन करने का एक मौका देने की अपील की। पंजाब में अपनी पार्टी की शानदार जीत से उत्साहित आप नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में भ्रष्टाचार को समाप्त करने का वादा किया। गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

योगी के मंत्री का अखिलेश पर तंज, पिता का अपमान किया इसकारण जनता सबक सिखाया

हरदोई।

हरदोई में आबकारी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर जोरदार निशाना साधा है। शिवपा की भाजपा से बढ़ रही नजदीकियों पर कहा कि अखिलेश ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव और चाचा शिवपाल यादव दोनों का अपमान किया है। इसकारण जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। अखिलेश लगातार तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर मौजूदा सरकार निशाना साध रहे हैं। इस पर अग्रवाल ने कहा कि अखिलेश किस तरह से बयान दे रहे हैं, यह वही जानें। उन पर टिप्पणी करना भी हम उचित नहीं समझते हैं। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने पिता को अपमानित कर सकता है उसके साथ ईश्वर भी नहीं होता। शिवपाल और मुलायम पर बोलते हुए नितिन ने कहा कि दोनों नेताओं का लगातार अखिलेश ने अपमान किया है। इसका खामियाजा जनता ने अखिलेश को दिया है और आने वाले समय में जनता देती रहेगी। उन्होंने कहा कि जो पिता का अपमान करता है उसके साथ ही ईश्वर भी नहीं रहता है। साथ ही अग्रवाल ने पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते मूल्यों पर कहा कि इंटरनेशनल वातावरण प्रभावित करता है, कि दाम बढ़ें अथवा कम हों। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि लगातार दाम बढ़ते ही रहे हैं। दाम कम भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग तेल खरीदते हैं। इसका दाम बढ़ता है,तब किसी भी देश को मजबूरी में बढ़ाना पड़ता है। फिर भी केंद्र सरकार मामले में सजग है और भरोसा है कि देश को जल्द ही राहत मिलेगी।

स्थापना दिवस कार्यक्रम को मेगा शो बनने में जुटी यूपी भाजपा

लखनऊ । यह सुनिश्चित करने के व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं, कि 6 अप्रैल यानी भाजपा के स्थापना दिवस के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण उत्तर प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंचे। चूंकि हाल के राज्य विधानसभा चुनावों में जीत के बाद राज्य भाजपा के लिए यह पहला कार्यक्रम होगा, इसकारण पार्टी अपने अधिकतम कवरेज को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। भाजपा कार्यालयों में विशेष एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। वहीं पार्टी संगठन के ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम के प्रसारण को सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जा रही है। पार्टी का स्थापना दिवस, पूरे देश में भाजपा द्वारा मनाए जाने वाले छह वार्षिक कार्यक्रमों में से पहला, इस वर्ष एक मेगा शो होगा। स्थापना दिवस के अलावा, पार्टी 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती को समृद्ध दिवस के रूप में भी मनाएगी। ताकि सामाजिक समावेश को प्राप्त करने की अपनी पहल को उजागर किया जा सके। स्थापना दिवस के बाद के पूरे सप्ताह को सेवा सप्ताह (सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित सप्ताह) के रूप में मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश भाजपा महासचिव और पार्टी के लखनऊ प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा, हम रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण अभियान और अन्य जन कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन करने वाले हैं। राज्य भाजपा के हर संभाग में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुफ्त राशन योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना, आदि ।

नेपाल की प्रथम महिला आरजू राणा देउबा ने एम्स का दौरा किया

नई दिल्ली । नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी और सेफ मदरहुड नेटवर्क फेडरेशन नेपाल की अध्यक्ष आरजू राणा देउबा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया। उनके साथ एक नेपाली प्रतिनिधिमंडल भी था जिसमें प्रधानमंत्री के निजी सचिव प्रकाश बहादुर देउबा, प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य सलाहकार राम पदरथ बिच्छा और प्रधानमंत्री के निजी चिकित्सक शैल रूपाखेती और मंत्रिपरिषद और एम्स में प्रोटोकॉल के उप प्रमुख रेवती पौडेल शामिल थी। भारत में प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान, स्त्री रोग और प्रसूति एवं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में हुई प्रगति पर प्रस्तुति दी गई। नीना खन्ना, डीन अकादमिक और एम्स में त्वचा विज्ञान विभाग के प्रमुख, एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डीके शर्मा, प्रमुख, स्त्री रोग नीरजा भाटला, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक, एम्स के मां और बच्चे ब्लॉक की अनूप डागा, स्त्री रोग विभाग के गरिमा कछवा एवं प्रमुख मीडिया प्रोटोकॉल विभाग आरती विज सहित एम्स के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया। एम्स में महिला स्वास्थ्य सेवाओं पर संवाद सत्र आयोजित हुआ था। सराहना की और जनशक्ति प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता के मामले में एम्स के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुकता जाहिर की।

उपराष्ट्रपति नायडू ने राज्यसभा दिवस की बधाई दी

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने राज्यसभा दिवस की बधाई देकर कहा कि उच्च सदन ने संसदीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। राज्यसभा के सभापति नायडू ने सदस्यों से लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए जानकारीपरक एवं रचनात्मक बहस में हिस्सा लेने की अपील भी की। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया, राज्यसभा दिवस की बधाई! अपनी स्थापना के समय से ही राज्यसभा ने संसदीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, मैं राज्य सभा के सदस्यों से लोगों के कल्याण को ध्यान में रखकर जानकारीपरक एवं रचनात्मक बहस में शामिल होने की अपील करना चाहता हूं।

राज्यसभा की वेबसाइट के मुताबिक, संविधान सभा जिसकी पहली बैठक नौ दिसंबर 1946 को हुई थी, उसने 1950 तक केंद्रीय विधानमंडल की भी भूमिका अदा की थी, जब उस अंतरिम संसद में तब्दील कर दिया गया था। 1952 में पहला संसदीय चुनाव होने तक केंद्रीय विधानमंडल एक सदन वाली संस्था थी। स्वतंत्र भारत में एक-दूसरे सदन की जरूरत को लेकर संविधान सभा में व्यापक बहस हुई। आखिरकार

आजाद भारत के लिए एक द्विसदनीय विधायिका बनाने का निर्णय लिया गया, क्योंकि विविधताओं से भरे एक विशाल देश में संघीय प्रणाली को सरकार का सबसे व्यवहार्य रूप माना जाता था। लिहाजा, 'राज्यों की परिषद' नाम से एक दूसरे सदन की स्थापना की गई, जिसकी संरचना और चुनाव की प्रक्रिया लोगों द्वारा सीधे चुने गए पहले सदन से अलग थी।

देश के ग्रामीण घरों को नल के पानी का कनेक्शन देने का काम तेजी से चल रहा

नई दिल्ली ।

जल जीवन मिशन के तहत देश के ग्रामीण घरों को नल के पानी का कनेक्शन देने के लिए जमीनी स्तर पर जोरशोर से काम हो रहा है। कोरोना के बावजूद यह 2024 की समय सीमा को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पेयजल और स्वच्छता विभाग की सचिव विनी महाजन ने कहा कि कुछ राज्यों में नल के पानी के कनेक्शन का कवरेज कम होना चिंता का विषय है। लेकिन केंद्र किसी भी तरह की बाधा को दूर करने के लिए उनके साथ काम कर रहा है। सरकार के इस अहम मिशन के तहत देश के सभी ग्रामीण घरों को नल के पानी के कनेक्शन दिए जा रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य 2024 तक घरों में नल के द्वारा सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। महाजन ने कहा कि अलग-अलग राज्य अलग-अलग गति से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन सभी ने केंद्र से कहा है कि वे समय सीमा को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महाजन ने कहा, सभी राज्य 2024 तक मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अलग-अलग राज्यों ने अलग-अलग स्तरों पर शुरुआत की है। हालांकि, कुछ मामले में पीछे थे और यह उनके मौजूदा प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है लेकिन कुछ राज्य हैं, जो अब तक इस सिलसिले में राष्ट्रीय औसत तक नहीं पहुंचे हैं, उन्होंने कहा की राज्य की नई सरकार ने केंद्र को आश्वासन दिया है कि वह इस दिशा में तेजी से काम करेगी। महाजन ने कहा, घरेलू नल कनेक्शन की सबसे ज्यादा जरूरत है।

ओडिशा में 6 सालों में आत्महत्या के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी

भुवनेश्वर ।

कोरोना हो या और कुछ, ओडिशा में पिछले छह वर्षों के दौरान आत्महत्याओं की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई है।ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों (2016 से 2021) के दौरान राज्य में आत्महत्या के 28,249 मामले सामने आए है। आंकड़े बताते हैं कि हर गुजरते साल के साथ आत्महत्या के मामले बढ़ते गए है। जबकि 2016 में ओडिशा के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 3,884 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, वे 2017 में बढ़कर 4,151 और 2018 में 4,447 हो गईं, जबकि 2019 में उनकी संख्या 4,636 हो गई। 2020 और 2021 में, ओडिशा कोविड-19 महामारी की चपेट में था, तब आत्महत्याओं ने 5,000 का आंकड़ा पार कर लिया था। आंकड़ों के अनुसार, 2020 में 5,482 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2021 में इसतरह के मामले बढ़कर 5,649 हो गए।

कटक शहर, जो ओडिशा का सबसे पुराना शहर है, उसने छह वर्षों के दौरान सबसे अधिक 3,325 आत्महत्याओं की सूचना दी।

जबकि 2016 में कटक शहरी पुलिस जिले में इसतरह के 349 मामले दर्ज किए गए थे, यह आंकड़ा 2021 में दो गुना से अधिक बढ़कर 875 हो गया। हालांकि, कटक जिले के ग्रामीण इलाकों इस अवधि के दौरान कटक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 283 इसतरह मामले सामने आए।

पाकिस्तान के नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर होगी वोटिंग

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए निर्णय का दिन है। रविवार यानी 3 अप्रैल को नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी है। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान को उनके प्रमुख सहयोगियों ने छोड़ दिया है। बड़ी संख्या में विद्रोही सांसदों ने उनके खिलाफ मतदान करने की कसम खाई है। वहीं, इमरान खान ने भी दावा किया है उनके पास कई योजनाएं हैं। एक लाइव सवाल-जवाब सत्र में बोलते हुए इमरान खान ने कहा, ÷बिल्कुल चिंता न करें। एक कप्तान के पास हमेशा एक योजना होती है। इस बार मेरे पास एक से अधिक योजनाएं हैं। हम कल जीतेंगे। मैं उन्हें असेंबली में हरा दूंगा। इस हफ्ते की शुरुआत में इमरान खान ने अपनी पार्टी के प्रमुख सहयोगी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान द्वारा विपक्ष को समर्थन देने के बाद संसद के निचले सदन में बहुमत खो दिया। पाकिस्तानी नेशनल असेंबली में कुल 342 सदस्य हैं। बहुमत के लिए 172 की संख्या जरूरी है। विपक्ष के पास इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को सफल बनाने के लिए आवश्यक संख्या है। विपक्ष का दावा है कि उसे 175 सांसदों का समर्थन प्राप्त है और प्रधानमंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। इमरान खान ने पाकिस्तान के युवाओं से उनकी सरकार के खिलाफ कथित रूप से रची गई विदेशी साजिश के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने का आग्रह किया है। इमरान खान ने आरोप लगाया कि साजिश विदेशों में शुरू हुई और पाकिस्तान में कुछ राजनेता इन लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह साबित हो गया है कि सरकार को गिराने के लिए राजनेताओं को बकरियों की तरह खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा, आधिकारिक दस्तावेज कहता है कि अगर आप इमरान खान को हटाते हैं तो अमेरिका के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। इमरान खान ने शनिवार को कहा, मैं चाहता हूं कि आप आज और कल बाहर आएं और विरोध प्रदर्शन करें। शांतिपूर्ण विरोध के लिए बाहर आएं। इमरान खान ने प्रदर्शनकारियों से पाकिस्तानी सेना की आलोचना नहीं करने को कहा और उन खबरों को खारिज कर दिया कि उन्हें सेना के साथ नहीं मिल रहा है। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने कहा, मेरा सेना से कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने एक फैसला लिया और हम इसका सम्मान करते हैं। सेना ने तटस्थ रहने का फैसला किया और हम इसका सम्मान करते हैं।÷ पाकिस्तानी सेना ने उन्हें तीन विकल्प- अविश्वास मत, जल्दी चुनाव या प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा- दिए। इमरान खान ने कहा, मैंने कहा कि जल्दी चुनाव सबसे अच्छा विकल्प है। मैं कभी भी इस्तीफा देने के बारे में नहीं सोच सकता था। मुझे विश्वास है कि मैं अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ आखिरी मिनट तक लड़ूंगा। इमरान खान ने आरोप लगाया है कि उन्हें सत्ता से बेदखल करने का कदम एक विदेशी साजिश का परिणाम था। परेशान पाकिस्तान के पीएम ने सुझाव दिया कि वह रविवार के वोट को स्वीकार नहीं कर सकते।

गुजरात में जल्द चुनाव करने की बात को गुजरात भाजपा अध्यक्ष ने अफवाह बताया

सूरत । गुजरात में जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हुई हैं, उससे सोशल मीडिया पर कुछ लोग अटकलें लगा रहे हैं कि क्या राज्य में विधानसभा चुनाव जल्दी हो सकते हैं? गुजरात में बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने इन संभावना को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि बीजेपी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। बता दें कि गुजरात में विधानसभा चुनाव साल के आखिर में होने की संभावना है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल के बतौर मुख्यमंत्री 200 दिन पूरे होने के मौके पर बातचीत के दौरान प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पाटिल ने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की होती है। कोई भी राजनीतिक दल उस पर दबाव नहीं डाल सकता। हमें इसतरह के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि चुनाव आयोग इस बार जल्दी चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। बीजेपी की तरफ से ऐसी कोई मांग नहीं की गई है। हमें इसकी कोई वजह भी नहीं दिखती। राज्य सरकार अपना काम अच्छी तरह से कर रही है और वह अपना कार्यकाल पूरा करेगी। आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद गुजरात में सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में रोड शो किया।इसमें पंजाब के नए सीएम भगवंत मान भी शामिल रहे। इस दौरान काफी भीड़ जुटी। इस लेकर गुजरात बीजेपी अध्यक्ष पाटिल से जब सवाल पूछा गया कि क्या बीजेपी आप को एक चुनौती की तरह देखती है, तब उनका कहना था कि बीजेपी हमेशा से जनता के संपर्क में रही हैं इसकारण सत्ता में बनी हुई है। उनका कहना था कि पिछले साल गुजरात में हुए निकाय चुनावों में बहुत सी सीटों पर आप के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। 2017 के विधानसभा चुनाव में आप ने जितने भी उम्मीदवार उतारे, वहां जमानत तक नहीं बचा सके थे। इसके उलट बीजेपी कार्यकर्ता हमेशा से लोगों के हित में काम करते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में लश्कर के 4 सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर । सुरक्षाबलों ने बांदीपोरा जिले में रविवार को लश्कर-ए-तैयबा के 4 सहयोगियों को गिरफ्तार कर आतंकी मोड्यूल का भंडाफोड़ किया है। ये आतंकवादी जिलों में आतंकवादियों को लाजिस्टिक और परिवहन प्रदान कर रहे थे। सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा के अष्ठांगो गांव में एक चीनी ग्रेनेड बरामद कर इरफान अहमद भट, सज्जाद अहमद मीर और इरफान अहमद जान के रूप में पहचाने वाले आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। बांदीपोरा जिले के राख हाजिन में नाका (चेकपोस्ट) के दौरान, सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी सहयोगी, इरफान अजीज को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चीनी ग्रेनेड बरामद किया। इरफान पाकिस्तान स्थित आतंकवादी, उमर लाला के संपर्क में था। उन्होंने कहा, इरफान अपने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी के साथ हाजिन इलाके में आतंकी घटनाएं करने की योजना बना रहा था। पुलिस सूत्रों ने कहा, इन दोनों मामलों में बांदीपोरा और हाजिन पुलिस थानों ने अपराध का संज्ञान लिया है।

रिलायिटी शो लॉकअप में हलाल मीट को लेकर भिड़े पायल और जीशान

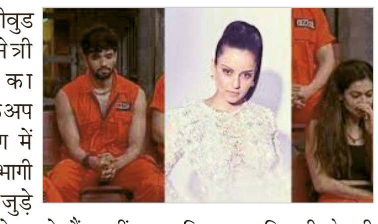

मुंबई । बालीवुड की दंबग अभिनेत्री कंगना रनौत का रिलायिटी शो लॉकअप इन दिनों टॉप ट्रेंडिंग में है। शो में जहां प्रतिभागी अपनी जिदंगी से जुड़े चौंकने वाले खुलासे करते हैं। वहीं आए दिन इन प्रतिभागी के बीच किसी ना किसी बात को लेकर झगड़ा देखने को मिलता है। हाल ही में पायल रोहतगी) और जीशान खान की हलाल मीट पर बहस छिड़ी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। आलम ये हुआ कि इनदोनों की इस बहस पर शो की होस्ट कंगना रनौत को कूदना पड़ा। कंगना कहती कि चाहे वह हलाल मीट हो या फिर गौ-मूत्र दोनों ही रिलीजियस प्रैक्टिस हैं। जैसे किसी को उसकी मर्जी के खिलाफ गौमूत्र नहीं पिला सकते हैं उसी तरह हम किसी को जबरन हलाल मीट भी नहीं खिला सकते हैं। दरअसल, कर्नाटक में कुछ संगठनों ने उगादी त्यौहार (नए साल के दिन) से पहले हलाल मीट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। शो में इस मुद्दे पर अपनी राए रखते हुए पायल ने कहा कि जिस तरह से हलाल प्रक्रिया में जानवरों को टॉर्चर किया जाता है, यह सब बंद होना चाहिए। कंगना की ये बात जीशान खान को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। वह पायल को मिडिल फिंगर दिखाकर गाली देते हैं। इसके बाद पायल भी गुस्से में जीशान और उसके मजहब को लेकर कुछ बोलती हैं, जिसे मेकर्स को म्यूट करना पड़ता है। मामला बढ़ता देख शो की होस्ट कंगना ने कहा, जीशान आपने भी हलाल मीट का समर्थन किया। हमारे यहां एक गुरू आए थे, जो सभी को गौमूत्र पीने के लिए कहते थे। हमने उन्हें भी टोका। हलाल मीट खाना सेहत के लिए अच्छा होता है ये आपका मानना है, लेकिन दूसरे को बिना बताए परोसना ये गलत है। आप किसी को भी जबरदस्ती हलाल मीट नहीं खिला सकते हैं। ऐसी बहुत सारी ऑर्गनाइजेशन हैं, जहां हलाल सर्व किया जाता है और उन्हें कोई दूसरा विकल्प नहीं दिया जाता है। हलाल मीट उनके लिए बैन करने की कोशिश की जा रही है, जो लोग इसे नहीं खाना चाहते हैं। जिस तरह से हम किसी को उसकी मर्जी के खिलाफ गौमूत्र नहीं पिला सकते हैं उसी तरह हम किसी को जबरन हलाल मीट भी नहीं खिला सकते हैं।

काशी पहुंचे नेपाल के पीएम देउबा, बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

वाराणसी । नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने काशी पहुंच कर बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन किया। बाबा दरबार के गर्भगृह में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ नेपाल के पीएम ने बाबा काशी विश्वनाथ का अभिषेक किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इसके पहले उन्होंने काल भैरव मंदिर में भी पूजा अर्चन की। नेपाल के प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा अपने दल के साथ रविवार सुबह वाराणसी पहुंचे। दिल्ली से विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे नेपाल के पीएम का सीएम योगी आदित्यनाथ ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी और नेपाल के अधिकारियों की भी मौजूदगी रही। एयरपोर्ट से शहर की ओर जाने के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया।

बालीवुड अभिनेत्री मलाइका को हॉस्पिटल से मिली छुट्टी, अर्जुन कपूर के साथ घर लौटीं

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा शनिवार को सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थीं। इसके बाद उन्हें अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। मलाइका अरोड़ा को इस हादसे में मामूली चोटें आई थीं, जो अब ठीक हैं। उन्हें रविवार सुबह यानी 3 अप्रैल 2022 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने एक पोस्ट में यह जानकारी दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा-मलाइका अरोड़ा जिनका कल एक्सीडेंट हुआ था अब वह घर वापस आ गई हैं। वह पुणे में एक फैशन शो में भाग लेने गई थीं और घर वापस जाते समय उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया था। उनकी बहन अमृता अरोड़ा और अर्जुन कपूर रविवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद लौटे। इससे पहले मलाइका की बहन व अभिनेत्री अमृता अरोड़ा ने बताया था कि अब मलाइका की हालत अच्छी है। एक मैसेज में अमृता ने मलाइका के एक्सीडेंट की पुष्टि की और बताया कि मलाइका तेजी से अच्छी हो रही हैं। उन्हें कुछ समय के लिए ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। मलाइका की कार का एक्सीडेंट 2 अप्रैल 2022 को मुंबई-पुणे हाईवे पर खोपोली के पास हुआ था। हादसा उस वक्त हुआ, जब मलाइका पुणे से लौट रही थीं और मुंबई-पुणे हाईवे पर खालापुर टोल प्लाजा के पास कुछ कारें आपस में टकरा गईं, इसमें उनकी रेंज रोवर कार भी शामिल थी। हादसे के बाद उन्हें नवी मुंबई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां मलाइका का सीटी स्कैन भी हुआ जो ठीक निकला।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

आरटीआई कि धारा 4(1)(बी) को तत्काल किया जाय लागू- सूचना आयुक्त

धारा 4 के तहत अधिक से अधिक जानकारी हो सार्वजनिक जिससे लगानी पड़े कम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना के अधिकार कानून को जन जन तक पहुचाने के लिए आयोजित किये जाने वाले नेशनल वेबिनार का 93 वां एपिसोड आयोजित किया गया। वेबिनार में कानून की धारा 4 को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने अपने रीवा संभाग और मप्र में धारा 4(1)(बी) के 17 बिदुओं के मैनुअल लागू करवाने वाले आदेश की चर्चा की वहीं उप्र राज्य सूचना आयुक्त अजय उप्रेती ने इसे जल्दी ही उत्तर प्रदेश में लागू करवाने के लिए कहा है। प्रारम्भ में अजय उप्रेती ने धारा 4(1) (बी) के 17 बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। पूर्व केन्द्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी और महिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु ने भी अपने अनुभव शेयर किए और धारा 4 को लागू करने पर बल दिया। शैलेश गांधी ने कहा कि 4(1)(बी) के साथ यह भी आवश्यक है कि सभी जानकारी धारा 4 के तहत साझा की जाय जिससे लोगों को जानकारी के लिए भटकना न पड़े। कार्यक्रम में पूर्व सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा कि सूचना आयुक्तों को हर जिले में छोटे छोटे कार्यक्रम करना चाहिए और लोक सूचना अधिकारियों सहित लोक प्राधिकारियों को भी ट्रेन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने ऐसी दर्जनों मीटिंग ली थी जो काफी प्रभावी साबित होती थीं और जागरूकता फैलती थी।

उपस्थित विषेसज्ञों ने कहा कि आर टी आई कानून किताबी ज्ञान के लिए नही बल्कि प्रैक्टिस के लिए है। जब तक जनता इसमें आगे बढ़ चढ़ कर पार्टिसिपेट नही करती तब तक हम परेशान होते रहेंगे इसलिए सभी को आर टी आई लगाकर और धारा 4 के प्रावधान अधिक से अधिक लागू किये जाएं इस पर जोर देना चाहिए। ऐसा करने से सरकार और आयोगों पर दबाव बनेगा और कानून को बल मिलेगा।

कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी ने किया जबकि सहयोगियों में अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा, देवेंद्र अग्रवाल, पत्रिका के वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह सम्मिलित रहे। वेबिनार में देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं का समाधान पाया।

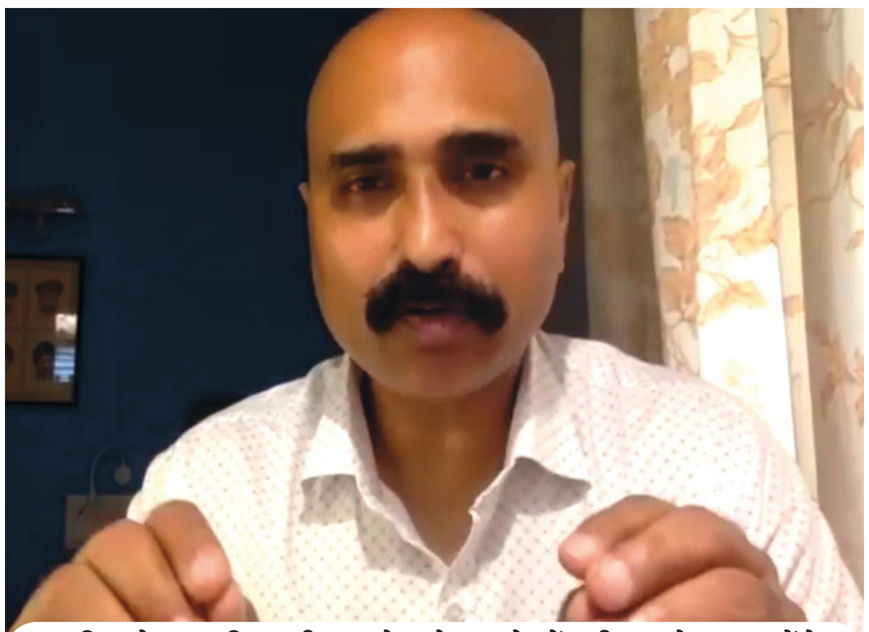

यदि लोक प्राधिकारी आयोग के आदेशों की अवहेलना करेंगे तो होगी जुर्माने की बड़ी कार्यवाही।।

गुजरात में जल्द चुनाव करने की बात को गुजरात भाजपा अध्यक्ष ने अफवाह बताया

क्रांति समय

सूरत,गुजरात में जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हुई हैं, उससे सोशल मीडिया पर कुछ लोग अटकलें लगा रहे हैं कि क्या राज्य में विधानसभा चुनाव जल्दी हो सकते हैं? गुजरात में बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने इन संभावना को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि बीजेपी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। बता दें कि गुजरात में विधानसभा चुनाव साल के आखिर में होने की संभावना है।

गुजरात में भूपेंद्र पटेल के बतौर मुख्यमंत्री 200 दिन पूरे होने के मौके पर बातचीत के दौरान प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पाटिल ने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की होती है। कोई भी राजनीतिक दल उस पर दबाव नहीं डाल सकता। हमें इसतरह के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि चुनाव आयोग इस बार जल्दी चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। बीजेपी की तरफ से ऐसी कोई मांग नहीं की गई है। हमें इसकी कोई वजह भी नहीं दिखती। राज्य सरकार अपना काम अच्छी तरह से कर रही है और वह अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद गुजरात में सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में रोड शो किया इसमें पंजाब के नए सीएम भगवंत मान भी शामिल रहे। इस दौरान काफी भीड़ जुटी। इस लेकर गुजरात बीजेपी अध्यक्ष पाटिल से जब सवाल पूछा गया कि क्या बीजेपी आप को एक चुनौती की तरह देखती

है, तब उनका कहना था कि बीजेपी हमेशा से जनता के संपर्क में रही हैं इसकारण सत्ता में बनी हुई है।

उनका कहना था कि पिछले साल गुजरात में हुए निकाय चुनावों में बहुत सी सीटों पर आप के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। 2017 के विधानसभा चुनाव में आप ने जितने भी उम्मीदवार उतारे, वहां जमानत तक नहीं बचा सके थे। इसके उलट बीजेपी कार्यकर्ता हमेशा से लोगों के हित में काम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का प्यार ऐसा है कि ये चुनावों में भी नजर आता है ये सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। गुजरात बीजेपी अध्यक्ष पाटिल ने राज्य की भूपेंद्र सरकार के कामकाज की जमकर तारीफ कर कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के हर व्यक्तिगत सामाजिक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कामयाब रही है। कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी अच्छी है कि कई उद्योगपति खुद यहां आकर अपनी फैक्ट्रियां लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के 200 दिनों के कार्यकाल में बहुत से अच्छे काम हुए हैं, जिनका फायदा लोगों को मिला है।

अकारण 14 वर्षीय किशोर का हाथ मरोड उसकी पिटाई करने पर पुलिस कांस्टेबल सस्पैंड

क्रांति समय,सूरत

वडोदरा,नंदेसरी पुलिस थानान्तर्गत एक 14 वर्षीय किशोर का बगैर किसी कसूर के हाथ मरोडना और उसकी बेरहमी से पिटाई करने पर पुलिस कांस्टेबल को सस्पैंड कर दिया। सरेआम किशोरी की पिटाई करने की घटना निकट लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। घटना वडोदरा के नंदेसरी बाजार की है। जहां चाइनीज स्टॉल के पास दो नाबालिग लड़के आपस में मस्ती कर रहे थे। उस दौरान छाणी पुलिस थाने की वैन वहां से गुजर रही थी। नाबालिग लड़कों को मस्ती करते देख छाणी पुलिस थाने के कांस्टेबल शक्तिसिंह ने वैन रूकवाई दी। उस दौरान लड़के मस्ती करते करते पुलिस वैन के निकट पहुंच गए। नाबालिग लड़कों की मस्ती से पुलिस कांस्टेबल शक्तिसिंह आगबबूला हो गया। पुलिस को देख 14 वर्षीय महेश नामक किशोर भागकर अपने चाचा की दुकान में घुस गया। जिसका पीछा करते हुए पुलिस कांस्टेबल किशोर की चाचा की दुकान पर पहुंच गया और उसकी पिटाई कर दी। इतने से जी नहीं भरा तो किशोर को दुकान के बाहर घसीट लाया और उसके हाथ मरोडा तथा उसके प्राइवेट पार्ट पर लात मार दी। पूरी घटना निकट लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भड़क उठा और नंदेसरी पुलिस थाने पहुंच कर न्याय की मांग की। लोगों के आक्रोश को देखते हुए नंदेसरी पुलिस ने छाणी पुलिस थाने के कांस्टेबल शक्तिसिंह को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। कांस्टेबल शक्तिसिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड भी कर दिया गया है।